website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 10 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 21 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

जर्मनी में राहुल गांधी का RSS पर हमला:
-बोले—सच्चाई नहीं, शक्ति को मानता है संघ

नई दिल्ली । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जर्मनी की राजधानी बर्लिन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) और उसके प्रमुख मोहन भागवत पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि RSS के लिए सच्चाई का कोई महत्व नहीं है, बल्कि उनके लिए शक्ति सबसे अहम है। राहुल गांधी ने कहा कि RSS प्रमुख यह बात खुले तौर पर कह रहे हैं और यही RSS तथा कांग्रेस के बीच बुनियादी फर्क को दिखाता है। राहुल गांधी ने कहा कि भारत की पूरी सांस्कृतिक परंपरा सत्य पर आधारित है। चाहे किसी भी धर्म को देखा जाए, उसका मूल संदेश यही है कि सत्य का पालन किया जाए। उन्होंने कहा, "कांग्रेस, महात्मा गांधी और हम सभी भारत की सच्चाई की रक्षा करते हैं, जबकि RSS ऐसा नहीं करती।" राहुल के मुताबिक, सत्य केवल नैतिक मूल्य नहीं है, बल्कि भारत की आत्मा है, जिसे कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। राहुल गांधी इन दिनों पांच दिन के जर्मनी दौरे पर हैं। शुक्रवार को उन्होंने ओवरसीज इंडियन कांग्रेस के कार्यक्रम 'कनेक्टिंग कल्चर्स' में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि कांग्रेस सच्चाई के साथ खड़ी है और भारत की सच्चाई का बचाव करती रहेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की संस्कृति सच्चाई पर आधारित है और यही सभी धर्मों का बुनियादी संदेश भी है। इसके अलावा राहुल गांधी ने जर्मनी के प्रतिष्ठित हर्टी स्कूल में भी भाषण दिया। यहां उन्होंने लोकतंत्र को लेकर अपनी सोच रखी। राहुल ने कहा कि लोकतंत्र केवल सरकार चलाने की एक व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह जवाबदेही का नाम है। उनका कहना था कि लोकतंत्र में सत्ता में बैठे लोगों को जनता के प्रति जवाबदेह होना पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि आज दुनिया में संरचनात्मक असमानताएं बढ़ रही हैं और इन्हें दूर करने के लिए मजबूत वैश्विक सहयोग की जरूरत है। राहुल गांधी ने जर्मन थिंक-टैंक से जुड़े नेताओं के साथ भी बातचीत की, जहां उन्होंने वैश्विक राजनीति, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर अपने विचार रखे। इस दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग और संवाद की अहमियत पर भी जोर दिया। अपने जर्मनी दौरे के दौरान राहुल गांधी ने वहां के शीर्ष नेताओं से भी मुलाकात की। उन्होंने जर्मनी के पूर्व चांसलर ओलाफ शोल्ज से मुलाकात की और उनके साथ लंच किया। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के मुताबिक, इस बैठक में वैश्विक मुद्दों, व्यापार और भारत-जर्मनी संबंधों पर विस्तार से चर्चा हुई।

मोदी का TMC पर तीखा हमला:
-बंगाल में कुशासन बनाम केंद्र-राज्य टकराव की नई सियासी जंग

गुवाहटी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (TMC) पर एक बार फिर तीखा हमला बोला है। असम और पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे से पहले प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा कि बंगाल के लोग तृणमूल कांग्रेस के कुशासन से परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में लूटपाट और डराने-धमकाने की सारी हदें पार हो चुकी हैं और अब भारतीय जनता पार्टी (BJP) ही लोगों के लिए एकमात्र उम्मीद बची है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल के लोगों को केंद्र सरकार की कई जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है, लेकिन राज्य सरकार के रवैये और कुशासन के कारण आम जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा है। पीएम का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब लोकसभा चुनाव नजदीक हैं और बंगाल राजनीतिक रूप से बेहद अहम राज्य बना हुआ है। प्रधानमंत्री अपने इस दौरे के दौरान पश्चिम बंगाल में करीब 3,200 करोड़ रुपये और असम में लगभग 15,600 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इसके बाद वे शाम को गुवाहाटी पहुंचेंगे। बीजेपी इसे विकास और सुशासन का संदेश बता रही है, जबकि विपक्ष इसे चुनावी राजनीति से जोड़कर देख रहा है। प्रधानमंत्री के आरोपों पर तृणमूल कांग्रेस ने भी तुरंत पलटवार किया। TMC ने X पर जारी बयान में कहा कि यह सही है कि बंगाल परेशान है, लेकिन इसकी वजह केंद्र सरकार की नीतियां हैं, न कि राज्य सरकार। पार्टी का आरोप है कि केंद्र ने 2017-18 से 2023-24 के बीच पश्चिम बंगाल से GST और डायरेक्ट टैक्स के रूप में 6.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की वसूली की है, लेकिन इसके बावजूद राज्य के करीब 2 लाख करोड़ रुपये अब भी रोके हुए हैं। TMC का कहना है कि केंद्र सरकार जानबूझकर बंगाल के साथ भेदभाव कर रही है और राज्य को उसके हक की रकम नहीं दी जा रही। पार्टी के मुताबिक, अगर यह पैसा समय पर मिल जाता, तो राज्य में और ज्यादा विकास कार्य किए जा सकते थे और आम लोगों को राहत मिलती। इतना ही नहीं, TMC ने केंद्र सरकार पर बंगाल की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक पहचान का अपमान करने का भी आरोप लगाया। पार्टी ने कहा कि बंगाल में लोगों को अपनी मातृभाषा बोलने पर बांग्लादेशी कहा जा रहा है, उन्हें हिरासत में लिया जा रहा है और कुछ मामलों में गलत तरीके से देश से बाहर भी भेजा गया है। TMC का दावा है कि यह सब एक खास राजनीतिक एजेंडे के तहत किया जा रहा है, जिससे डर और असुरक्षा का माहौल बनाया जा सके। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी और TMC के बीच यह जुबानी जंग आने वाले दिनों में और तेज हो सकती है। बीजेपी जहां बंगाल में कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार और हिंसा जैसे मुद्दों को उठाकर ममता सरकार को घेर रही है, वहीं TMC केंद्र पर संघीय ढांचे को कमजोर करने और राज्यों के अधिकारों में दखल देने का आरोप लगा रही है। बंगाल की राजनीति में यह टकराव नया नहीं है। पिछले कुछ वर्षों से केंद्र और राज्य सरकार के बीच टकराव लगातार देखने को मिला है, चाहे वह फंड रोकने का मामला हो, जांच एजेंसियों की कार्रवाई हो या फिर राजनीतिक बयानबाजी। इसका असर सीधे तौर पर आम जनता पर भी पड़ता है, जो विकास, रोजगार और सुरक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर स्थिरता चाहती है। प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा और उनके बयान साफ संकेत देते हैं कि बीजेपी बंगाल में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की कोशिश में जुटी है। वहीं TMC भी खुद को बंगाल की अस्मिता और अधिकारों की रक्षक के तौर पर पेश कर रही है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता इन आरोप-प्रत्यारोप के बीच किसके तर्क को ज्यादा भरोसेमंद मानती है और किसे सत्ता की चाबी सौंपती है। कुल मिलाकर, मोदी बनाम ममता की यह सियासी लड़ाई सिर्फ बयानों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे विकास, पहचान, अधिकार और सत्ता की बड़ी राजनीति छिपी हुई है, जिसका फैसला अंततः जनता के हाथ में है।

5 साल में मनरेगा के 4.43 करोड़ जॉब कार्ड डिलीट
-बिहार-यूपी में सबसे ज्यादा नाम हटे

नई दिल्ली । पिछले पाँच वर्षों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत देशभर मंड 4.43 करोड़ जॉब कार्ड डिलीट किए जाने का मामला एक बार फिर चर्चा में है। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को राज्यसभा में यह जानकारी दी। आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा जॉब कार्ड बिहार में हटाए गए, जहाँ 1.04 करोड़ नाम सूची से बाहर किए गए। इसके बाद उत्तर प्रदेश दूसरे नंबर पर है, जहाँ 90.4 लाख जॉब कार्ड डिलीट किए गए। सरकार के अनुसार, कुल हटाए गए जॉब कार्ड में बिहार और यूपी की हिस्सेदारी लगभग 44% है, जो अपने आप में बड़ा आंकड़ा है। बिहार और उत्तर प्रदेश के अलावा जिन अन्य राज्यों में बड़ी संख्या में जॉब कार्ड हटाए गए हैं, उनमें ओडिशा, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और राजस्थान शामिल हैं। ये छह राज्य मिलकर देश में हटाए गए कुल जॉब कार्ड का बड़ा हिस्सा बनाते हैं। यह जानकारी ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने राज्यसभा में डीएमके सांसद तिरुचि शिवा के सवाल के लिखित जवाब में दी। सरकार का कहना है कि जिन जॉब कार्ड को डिलीट किया गया, वे फर्जी, डुप्लीकेट या गलत जानकारी वाले थे। मंत्री के मुताबिक, मनरेगा जैसी बड़ी सामाजिक योजना में डेटा की शुद्धता बनाए रखना जरूरी है, इसलिए इस तरह की सफाई की प्रक्रिया नियमित रूप से की जाती है। सरकार ने यह भी साफ किया कि जॉब कार्ड हटाना किसी एक बार की कार्रवाई नहीं है, बल्कि यह लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, ताकि योजना का लाभ केवल पात्र लोगों तक ही पहुँचे। मंत्रालय ने यह भी बताया कि कई मामलों में जॉब कार्ड इसलिए हटाए गए क्योंकि परिवार स्थायी रूप से पलायन कर चुके थे। इसके अलावा, जिन ग्राम पंचायतों का शहरीकरण हो गया, यानी वे अब ग्रामीण क्षेत्र की परिभाषा में नहीं आतीं, वहाँ के जॉब कार्ड भी डिलीट किए गए। कुछ मामलों में ऐसा भी पाया गया कि परिवार में जॉब कार्ड का केवल एक ही सदस्य था और उसकी मृत्यु हो चुकी थी, ऐसे कार्ड भी सूची से हटा दिए गए। सरकार ने इस पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए 25 जनवरी 2025 को एक मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) जारी की है। केंद्र सरकार का कहना है कि अगर किसी राज्य, पंचायत या लाभार्थी को जॉब कार्ड डिलीट किए जाने को लेकर कोई कन्फ्यूजन या आपत्ति हो, तो इस SOP के तहत दिशा-निर्देश देखे जा सकते हैं। SOP में यह बताया गया है कि किन परिस्थितियों में जॉब कार्ड हटाए जा सकते हैं और इसकी प्रक्रिया क्या होगी।

तोशाखाना केस: इमरान खान और बुशरा बीबी को 17-17 साल की जेल, 16.40 करोड़ का जुर्माना

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के संस्थापक इमरान खान तथा उनकी पत्नी बुशरा बीबी को तोशाखाना केस-2 में शनिवार को 17-17 साल की जेल की सजा सुनाई गई। फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (FIA) की विशेष अदालत ने यह फैसला रावलपिंडी की अडियाला जेल में सुनवाई के दौरान दिया। दोनों पर कुल 16.40 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। यह मामला महंगे बुल्गारी घड़ी सेट को बहुत कम कीमत पर खरीदने से संबंधित था। अदालत ने पाया कि इमरान और बुशरा ने सरकारी तोशाखाना की संपत्ति का दुरुपयोग करते हुए घड़ियों को व्यक्तिगत लाभ के लिए अधिमूल्य से कम खरीदने का प्रयास किया, जिससे सरकारी खजाने को हानि पहुंची। अदालत ने इसे भ्रष्टाचार और आपराधिक विश्वासघात का मामला माना। विशेष न्यायाधीश केंद्रीय शाहरुख अरजुमंद ने सजा सुनाते समय इमरान की उम्र (73 साल) और बुशरा के महिला होने के कारण कुछ नरमी बरती। अदालत ने इमरान को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 409 (आपराधिक विश्वासघात) के तहत 10 साल का कठोर कारावास और धारा 5(2)47 के तहत 7 साल की सजा सुनाई। बुशरा बीबी को भी 17 साल की कुल सजा दी गई, हालांकि उनकी सजा में महिला होने के कारण कुछ राहत दी गई। इमरान खान अगस्त 2023 से अडियाला जेल में बंद हैं। उनका राजनीतिक जीवन और लोकप्रियता पाकिस्तान में हमेशा चर्चा का विषय रही है, और इस फैसले ने देश में राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है।

डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ भवन में जेपी नड्डा का दौरा
-वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग पर दिया जोर

नई दिल्ली। नई दिल्ली में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय (एसईएआरओ) के नव-उद्घाटित भवन का केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को दौरा किया। जेपी नड्डा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय और वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग को मजबूत करने के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई इस अवसर पर उन्होंने दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के विभिन्न देशों से आए मंत्रियों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों से मुलाकात कर स्वास्थ्य से जुड़े साझा मुद्दों पर संवाद किया। नड्डा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय और वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग को मजबूत करने के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि आज के दौर में सार्वजनिक स्वास्थ्य की चुनौतियां किसी एक देश तक सीमित नहीं हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए सभी देशों को मिलकर, समन्वित और निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने सामूहिक कार्रवाई को समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ भवन दक्षिण-पूर्व एशिया की साझा आकांक्षाओं और संकल्प का प्रतीक है-

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ का यह भवन केवल एक इमारत नहीं है, बल्कि यह दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के लोगों की साझा आकांक्षाओं और सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि यह केंद्र क्षेत्र के लगभग आधे अरब लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह भवन साझेदारी, सहयोग और एकजुटता की भावना को दर्शाता है, जिसके माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य के लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।

डॉ. टेड्रोस ने डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ भवन को मानवता की सेवा में साझा उद्देश्य और प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया-

इस अवसर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ भवन को मानवता की सेवा के लिए साझा उद्देश्य और सामूहिक प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक बताया। डॉ. टेड्रोस ने भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय की मेजबानी करना भारत और डब्ल्यूएचओ के बीच मजबूत और भरोसेमंद साझेदारी को दर्शाता है।

असम में राजधानी एक्सप्रेस से टकराकर 7 हाथियों की मौत, एक घायल
-इंजन समेत 5 डिब्बे पटरी से उतरे

नगांव/गुवाहाटी । असम के होजाई जिले में शनिवार तड़के एक बेहद दुखद और चिंताजनक हादसा सामने आया, जब सैरंग–नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन हाथियों के एक झुंड से टकरा गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में सात हाथियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक हाथी का बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। राहत की बात यह रही कि ट्रेन में सवार किसी भी यात्री को कोई चोट नहीं आई, हालांकि हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह हादसा शनिवार सुबह करीब 2:17 बजे चांगजुराई गांव के पास हुआ। बताया जा रहा है कि हाथियों का एक झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार राजधानी एक्सप्रेस वहां पहुंच गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रेन का इंजन और उसके पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे के बाद रेलवे और वन विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। शुरुआत में अधिकारियों ने आठ हाथियों की मौत की जानकारी दी थी, लेकिन बाद में स्पष्ट हुआ कि एक हाथी का बच्चा जीवित है, हालांकि वह गंभीर रूप से घायल है। स्थानीय पशु चिकित्सकों की टीम घायल हाथी के इलाज में जुटी हुई है। वन विभाग ने उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाकर प्राथमिक उपचार शुरू कराया है। नगांव के डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर (DFO) सुहास कदम ने बताया कि हादसे के समय इलाके में घना कोहरा छाया हुआ था। कोहरे के कारण ट्रेन चालक को आगे का दृश्य साफ दिखाई नहीं दिया, जिससे समय रहते ब्रेक नहीं लगाया जा सका। उन्होंने कहा कि यह इलाका पहले से ही हाथियों की आवाजाही के लिए जाना जाता है और यहां 'एलीफेंट कॉरिडोर' मौजूद हैं। मारे गए हाथियों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है, ताकि कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा सके। वन विभाग ने इस घटना को गंभीर मानते हुए उच्च स्तर पर रिपोर्ट भेजी है। साथ ही रेलवे प्रशासन भी हादसे की जांच कर रहा है कि क्या ट्रेन की गति निर्धारित सीमा से अधिक थी या कोई अन्य तकनीकी चूक हुई। यह हादसा एक बार फिर मानव और वन्यजीवों के बीच बढ़ते टकराव को उजागर करता है। असम सहित पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में हाथियों के प्राकृतिक जंगल और कॉरिडोर सिकुड़ते जा रहे हैं। जंगलों के कटाव, रेलवे लाइनों और सड़कों के विस्तार के कारण हाथियों को मजबूरी में मानव आबादी वाले इलाकों और रेलवे ट्रैकों को पार करना पड़ता है। वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि हाथी रात के समय अधिक सक्रिय होते हैं और भोजन की तलाश में लंबी दूरी तय करते हैं। ऐसे में जब ट्रेनें तेज रफ्तार से इन इलाकों से गुजरती हैं, तो हादसों की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। पहले भी असम, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में इस तरह के कई हादसे हो चुके हैं, जिनमें दर्जनों हाथियों की जान गई है।

पुतिन का सख्त संदेश:
-यूक्रेन NATO की जिद छोड़े तभी शांति संभव, यूरोपीय संघ पर 'खुली डकैती' का आरोप

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी देशों के रुख पर एक बार फिर कड़ा रुख अपनाया है। शुक्रवार दोपहर आयोजित अपनी 22वीं सालाना ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुतिन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अगर यूक्रेन नाटो (NATO) में शामिल होने की जिद छोड़ दे, तो शांति की राह खुल सकती है। उन्होंने दोहराया कि रूस युद्ध को खत्म करने के लिए शांति वार्ता के रास्ते पर चलने को तैयार है, लेकिन इसके लिए यूक्रेन को अपनी नीतियों में बदलाव करना होगा। पुतिन ने कहा कि यूक्रेन का नाटो में शामिल होना रूस की सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है। इसी वजह से रूस लंबे समय से इसका विरोध करता रहा है। उनके मुताबिक, जब तक कीव इस मुद्दे पर अपने रुख में नरमी नहीं दिखाता, तब तक स्थायी शांति संभव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि रूस कभी भी बातचीत से पीछे नहीं हटा, लेकिन पश्चिमी देशों की नीतियों ने हालात को और जटिल बना दिया है। इस दौरान पुतिन ने यूरोपीय संघ द्वारा रूसी संपत्तियों को जब्त करने के फैसले पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इसे चोरी कहना भी सही नहीं होगा, क्योंकि चोरी छिपकर होती है, जबकि यूरोपीय संघ खुलेआम "डकैती" कर रहा है। पुतिन ने दावा किया कि रूस अपनी संपत्ति वापस लेकर रहेगा और इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाता रहेगा।

अमेरिका का 'ऑपरेशन हॉकआई':
-सीरिया में 70 से ज्यादा ISIS ठिकाने तबाह, सैनिकों की मौत का बदला लिया

दमिश्क (एजेंसी)। अमेरिका ने शुक्रवार को सीरिया में आतंकी संगठन ISIS के खिलाफ एक बड़ा सैन्य अभियान चलाया, जिसमें 70 से ज्यादा ठिकानों को तबाह किया गया। इस अभियान का नाम 'ऑपरेशन हॉकआई' रखा गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई हाल ही में हुए उस हमले के जवाब में की गई, जिसमें सीरिया में तैनात अमेरिकी दो सैनिक और एक ट्रांसलेटर मारे गए थे। 'ऑपरेशन हॉकआई' का नाम इसलिए रखा गया क्योंकि मारे गए सैनिक अमेरिका के आयोवा राज्य के रहने वाले थे, जिसे 'हॉकआई स्टेट' कहा जाता है। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया, उनमें आतंकियों के रहने की जगह, हथियारों के गोदाम और अन्य महत्वपूर्ण ठिकाने शामिल थे। इन हमलों का उद्देश्य ISIS की क्षमताओं को कमजोर करना और संगठन के संचालन को बाधित करना था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस ऑपरेशन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह कार्रवाई उनका वादा पूरा करने के लिए की गई थी। ट्रम्प ने जोर देकर कहा कि अमेरिका अपने सैनिकों की सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में गंभीर है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे आतंकवादी हमलों का जवाब देना अमेरिका की जिम्मेदारी है और इसके लिए किसी तरह की कमी नहीं होने दी जाएगी।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति और भारत: बदलती प्राथमिकताओं में उपेक्षा के संकेत

अमेरिका द्वारा हाल ही में जारी 32 पन्नों की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजी—एनएसएस) ने भारत ही नहीं, बल्कि यूरोप और स्वयं अमेरिका के नीति विश्लेषकों को भी चौंकाया है। सबसे बड़ा आश्चर्य इस बात को लेकर है कि इस पूरे दस्तावेज में इस्लामिक आतंकवाद के खतरे का कहीं स्पष्ट उल्लेख नहीं मिलता। यह वही आतंकवाद है, जिसने पिछले दो दशकों में अमेरिका, यूरोप और भारत—तीनों को गहरे जख्म दिए हैं। अल-कायदा, आईएसआईएस और उनसे जुड़े नेटवर्क आज भी पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं, इसके बावजूद एनएसएस में इस खतरे को लगभग नजरअंदाज कर देना कई सवाल खड़े करता है। हैरानी यहीं खत्म नहीं होती। दस्तावेज में न तो उत्तरी कोरिया के तानाशाह शासन की खुली चर्चा है और न ही चीन की सत्तावादी व्यवस्था को सीधे निशाने पर लिया गया है। इसके उलट, यूरोप के कुछ देशों को बिना नाम लिए कठघरे में खड़ा किया गया है, मानो अमेरिका की सुरक्षा और आर्थिक चुनौतियों के लिए वही जिम्मेदार हों। यह रवैया उस ट्रांस-अटलांटिक रिश्ते के विपरीत दिखता है, जो दशकों से अमेरिका की वैश्विक नीति की रीढ़ रहा है। भारत का जिक्र दस्तावेज में कुल चार बार हुआ है, लेकिन वह भी किसी ठोस रणनीतिक साझेदारी के रूप में नहीं, बल्कि सामान्य संदर्भों तक सीमित है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रस्तावना में एक बार फिर भारत-पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को रोकने का श्रेय खुद को दिया है, जबकि भारत इस दावे को पहले ही खारिज कर चुका है। आर्थिकी से जुड़े अध्याय में "शोषण करने वाली रीतियों" का उल्लेख है, जिसका संकेत अप्रत्यक्ष रूप से उभरती अर्थव्यवस्थाओं की ओर जाता है। इससे यह आभास मिलता है कि भारत को एक रणनीतिक सहयोगी से ज्यादा एक आर्थिक प्रतिस्पर्धी के रूप में देखा जा रहा है। दस्तावेज का समग्र स्वर पढ़ने पर ऐसा लगता है कि आने वाले समय में ट्रम्प पाकिस्तान के प्रति अपेक्षाकृत उदार रुख अपना सकते हैं, जबकि भारत के साथ रिश्तों में ठंडापन या दूरी बनी रह सकती है। यह संकेत भारत के लिए चिंता का विषय है, खासकर तब जब हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता लगातार बढ़ रही है और भारत अमेरिका के लिए एक स्वाभाविक साझेदार माना जाता रहा है। दूसरी ओर, जर्मनी सहित कई यूरोपीय देश नाटो और यूक्रेन के मुद्दे पर ट्रम्प के रवैए के खिलाफ खुलकर खड़े हैं, जिससे अमेरिका-यूरोप संबंधों में भी तनाव साफ झलकता है। एनएसएस में जिस नई नीति को "ट्रम्प कोरोलरी" कहा गया है, उसे मुनरो सिद्धांत के विस्तार के रूप में पेश किया गया है। मुनरो सिद्धांत करीब 202 साल पहले यूरोपीय शक्तियों के लैटिन अमेरिका में औपनिवेशिक दखल के विरोध में लाया गया था। अब उसका नया रूप अमेरिकी हितों को अधिक संकुचित और आत्मकेंद्रित तरीके से परिभाषित करता नजर आता है। यह नीति सहयोग से ज्यादा दबाव और सौदेबाजी पर टिकी दिखती है। कुल मिलाकर, यह दस्तावेज ट्रम्प की सोच और प्राथमिकताओं को तो उजागर करता है।

एआई पर टैक्स का नया विचार: इंसान और मशीन के बीच संतुलन बनाकर अर्थव्यवस्था, रोज़गार और सामाजिक न्याय सुरक्षित करने की ज़रूरत

-आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस से उत्पादकता बढ़े, बेरोज़गारी और असमानता नहीं—इसके लिए टैक्स नीति में सुधार ज़रूरी

आज शायद ही कोई दिन जाता हो, जब आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस यानी एआई को लेकर कोई बड़ी खबर सामने न आती हो। कभी कहा जाता है कि एआई लाखों नौकरियां खत्म कर देगा, तो कभी यह दावा किया जाता है कि यही तकनीक नई अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनेगी। कुछ बातें ज़रूर बढ़ा-चढ़ाकर कही जाती हैं, लेकिन इतना तय है कि एआई दुनिया की अर्थव्यवस्था, रोज़गार और समाज को गहराई से बदलने जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है—क्या हम इस बदलाव के लिए तैयार हैं? और अगर नहीं, तो हमें क्या करना चाहिए? एक नया और अहम विचार यह है कि एआई पर टैक्स लगाने के बारे में गंभीरता से सोचा जाए। सुनने में यह बात अजीब लग सकती है, लेकिन अगर गहराई से देखें तो यह न सिर्फ इंसानों और मशीनों के बीच संतुलन बनाने का तरीका हो सकता है, बल्कि भविष्य की आर्थिक असमानताओं को रोकने का एक मज़बूत ज़रिया भी बन सकता है।

एआई टैक्स क्यों ज़रूरी है?

किसी भी टैक्स का मक़सद सिर्फ़ राजस्व जुटाना नहीं होता, बल्कि समाज में संतुलन बनाना भी होता है। आज की टैक्स व्यवस्था पर नज़र डालें तो एक अजीब असंतुलन दिखता है। ज़्यादातर देशों में, ख़ासकर विकसित अर्थव्यवस्थाओं में, सरकारों की आमदनी का बड़ा हिस्सा इंसानों की मेहनत से आता है। यानी सैलरी पर टैक्स, आयकर, पे-रोल टैक्स और सामाजिक सुरक्षा योगदान। उदाहरण के तौर पर अमेरिका को ही लें। वहां लगभग 85% केंद्रीय राजस्व लोगों और उनके काम से जुड़े टैक्स से आता है। इसके मुक़ाबले पूंजी, कॉर्पोरेट मुनाफ़ा और अत्याधुनिक तकनीकों पर टैक्स अपेक्षाकृत कम है। एआई जैसी तकनीकों को तो अक्सर टैक्स छूट, सब्सिडी और कम कॉर्पोरेट टैक्स दरों का फ़ायदा मिलता है। इसका नतीजा यह होता है कि इंसानी श्रमिक पहले

से ही ज़्यादा टैक्स का बोझ उठाते हैं, जबकि मशीनें और ऑटोमेशन सस्ती पड़ती हैं। साफ़ शब्दों में कहें तो हमारी टैक्स प्रणाली अनजाने में ही इंसानों के बजाय मशीनों को बढ़ावा दे रही है।

एआई और श्रम बाज़ार का टकराव

अर्थशास्त्रियों का मानना है कि एआई का सबसे बड़ा असर श्रम बाज़ार पर पड़ेगा। शुरुआत में यह असर सीमित दिख सकता है—कुछ सेक्टरों में ऑटोमेशन, कुछ नौकरियों का रूप बदलना—BUT लंबे समय में तस्वीर कहीं ज़्यादा गंभीर हो सकती है। एआई सिर्फ़ फैक्ट्री लाइन या डेटा एंट्री तक सीमित नहीं है। अब यह लेखन, डिज़ाइन, मेडिकल डायग्नोसिस, क़ानूनी सलाह और यहां तक कि मैनेजमेंट के काम भी करने लगा है। भविष्य का सबसे चरम रूप वह होगा, जब एआई एजेंट खुद को डिज़ाइन करने, अपनी कॉपी बनाने और अपने काम को खुद मैनेज करने में सक्षम हो जाएंगे। यानी पूंजी खुद ही श्रम की भूमिका निभाने लगेगी। ऐसे में अगर मौजूदा टैक्स नीतियां जारी रहीं, तो पूंजी और तकनीक से होने वाला मुनाफ़ा कुछ गिने-चुने लोगों के हाथ में सिमट जाएगा, जबकि आम इंसान के लिए रोज़गार और आय के मौके कम होते जाएंगे। इससे असमानता (विषमता) खतरनाक स्तर तक बढ़ सकती है। कुछ अनुमानों के मुताबिक, अगर एआई का प्रसार बिना किसी संतुलन के हुआ, तो अगले पांच वर्षों में कई देशों में बेरोज़गारी 10 से 20 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह सिर्फ़ आर्थिक संकट नहीं होगा, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक अस्थिरता की वजह भी बनेगा।

एआई टैक्स का मतलब क्या होगा?

यहां एक अहम सवाल उठता है—एआई पर टैक्स आखिर लगेगा कैसे? क्या हम हर रोबोट या सॉफ्टवेयर से टैक्स वसूलेंगे? व्यावहारिक रूप से ऐसा करना मुश्किल है। इसलिए विशेषज्ञों का सुझाव है कि एआई के विकास में इस्तेमाल होने वाले प्रमुख इनपुट्स को टैक्स के दायरे में लाया जाए।

इन इनपुट्स में मुख्य रूप से तीन चीज़ें शामिल हैं:

एनर्जी (ऊर्जा): एआई मॉडल्स को ट्रेन करने और चलाने में भारी मात्रा में बिजली की खपत होती है। बड़े डेटा सेंटर्स इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। अगर एआई के लिए इस्तेमाल होने वाली ऊर्जा पर विशेष टैक्स लगाया जाए, तो यह एक प्रभावी तरीका हो सकता है।

चिप्स और हार्डवेयर: हाई-एंड एआई चिप्स आज इस तकनीक की रीढ़ हैं। अमेरिका ने हाल ही में कुछ खास एआई चिप्स की चीन को बिक्री पर 15% शुल्क लगाया है। यह कदम भले ही रणनीतिक कारणों से उठाया गया हो, लेकिन इससे यह साफ़ होता है कि एआई इनपुट्स पर टैक्स लगाना संभव और कारगर है।

कम्प्यूट-टाइम: क्लाउड सर्विसेज़ और सुपरकम्प्यूटिंग संसाधनों का इस्तेमाल एआई में तेजी से बढ़ रहा है। इन पर टैक्स या शुल्क लगाया जा सकता है, खासकर तब जब इनका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर ऑटोमेशन के लिए हो।

पूंजी पर टैक्स का नया नज़रिया

कुछ विशेषज्ञ यह भी कहते हैं कि सिर्फ़ एआई इनपुट्स पर टैक्स लगाना काफ़ी नहीं होगा। हमें पूंजी पर टैक्स लगाने के तरीके को भी नए सिरे से सोचने की ज़रूरत है। आज की टैक्स नीतियां उस दौर के लिए बनी थीं, जब श्रम और पूंजी के बीच फर्क साफ़ था। लेकिन एआई इस फर्क को धुंधला कर रहा है। जब मशीनें इंसानों की जगह काम करने लगें, तो यह कहना मुश्किल हो जाता है कि मुनाफ़ा श्रम से आ रहा है या पूंजी से। ऐसे में अगर पूंजी पर टैक्स कम और श्रम पर ज़्यादा रहेगा, तो ऑटोमेशन को और बढ़ावा मिलेगा। इसका सीधा नुकसान इंसानी श्रमिकों को होगा। इसलिए ज़रूरी है कि टैक्स प्रणाली को इस तरह बदला जाए कि इंसान और मशीन के बीच बराबरी का मैदान (लेवल प्लेइंग फील्ड) तैयार हो सके।

सरकारों के सामने आने वाला वित्तीय संकट

एक और बड़ी चिंता यह है कि अगर बड़े पैमाने पर नौकरियां खत्म होती हैं या नई भर्तियां धीमी पड़ जाती हैं, तो सरकारों की आय पर सीधा असर पड़ेगा। आज ज़्यादातर सरकारें आयकर और पे-रोल टैक्स पर निर्भर हैं। अगर काम करने वाले इंसान कम होंगे, तो टैक्स देने वाले भी कम होंगे। यह संकट तब और गहरा हो जाएगा, जब सरकारों को सामाजिक सुरक्षा, बेरोज़गारी भत्ते और कल्याण योजनाओं पर ज़्यादा खर्च करना पड़ेगा। भले ही भविष्य में एआई से जुड़े नए रोज़गार पैदा हो जाएं, लेकिन उस संक्रमण काल में सरकारों के लिए हालात बेहद मुश्किल हो सकते हैं। एआई टैक्स इस अंतर को पाटने का एक ज़रिया बन सकता है। यह न सिर्फ़ सरकारों को स्थिर राजस्व देगा, बल्कि उन्हें बदलाव के दौर में समाज को संभालने की ताक़त भी देगा।

विकसित और विकासशील देशों के लिए अलग-अलग चुनौतियां

एआई टैक्स की अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है, क्योंकि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों की चुनौतियां अलग हैं।

अमीर देश तेज़ी से बूढ़ी होती आबादी की समस्या से जूझ रहे हैं। वहां स्वास्थ्य सेवाओं और पेंशन पर खर्च लगातार बढ़ रहा है, जबकि कामकाजी आबादी घट रही है। ऐसे में एआई से मिलने वाला टैक्स राजस्व इन खर्चों को पूरा करने में मदद कर सकता है। गरीब और विकासशील देशों के सामने अलग समस्या है। वहां युवा आबादी बड़ी है, जिसे शिक्षा और रोज़गार की ज़रूरत है। लेकिन अगर एआई के चलते पारंपरिक नौकरियां कम हो गईं और टैक्स आय भी घट गई, तो हालात और बिगड़ सकते हैं। एआई टैक्स से मिलने वाला पैसा शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और नए रोज़गार पैदा करने में लगाया जा सकता है।

एआई टैक्स और सामाजिक न्याय

एआई टैक्स को सिर्फ़ आर्थिक नज़रिए से नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय के नज़रिए से भी देखना चाहिए। तकनीक का मक़सद इंसान की ज़िंदगी को आसान बनाना है, न कि उसे हाशिये पर धकेल देना। अगर एआई से होने वाला फ़ायदा कुछ बड़ी कंपनियों और अमीर निवेशकों तक सीमित रह गया, तो समाज में गुस्सा और असंतोष बढ़ेगा।

लेकिन अगर उसी तकनीक से होने वाली कमाई का एक हिस्सा पूरे समाज की भलाई में लगे—बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा में—तो एआई एक वरदान साबित हो सकता है। यह कहना ज़रूरी है कि एआई टैक्स का मतलब तकनीक को रोकना या उसका गला घोंटना नहीं है।

मक़सद यह नहीं कि नवाचार पर ब्रेक लगाया जाए, बल्कि यह है कि नवाचार का फ़ायदा सब तक पहुंचे। सही कर-नीतियां एआई से उत्पादकता में आने वाले उछाल के साथ मिलकर आर्थिक और सामाजिक समस्याओं का हल निकाल सकती हैं।

साफ हवा का हक़ छिनता क्यों जा रहा है, हर सर्दी ज़हरीली सांसें और सरकारों की लगातार नाकामी कब खत्म होगी

-प्रदूषण अब मौसमी समस्या नहीं, बल्कि करोड़ों नागरिकों के जीवन अधिकार पर सीधा हमला बन चुका है

साफ हवा कोई लग्ज़री नहीं, बल्कि नागरिकों का बुनियादी हक़ है। जैसे साफ पानी, सुरक्षित भोजन और इलाज तक पहुंच जीवन की अनिवार्य शर्तें हैं, वैसे ही सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा भी है। इसके बावजूद हर साल दिल्ली, एनसीआर और उत्तर भारत का बड़ा हिस्सा ऐसे प्रदूषण की चपेट में आ जाता है कि सांस लेना तक मुश्किल हो जाता है। सर्दियां आते ही धुंध नहीं, ज़हर उतरता है। सवाल यह है कि भला सरकारें कब तक इसे नज़रअंदाज़ करती रहेंगी? और एक-एक सांस के लिए जूझ रहे नागरिक कब तक इस घुटन को चुपचाप सहते रहेंगे? आज हालात यह हैं कि वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई नियमित रूप से 450 से ऊपर पहुंच जाता है, जो 'गंभीर' और 'अत्यंत खतरनाक' श्रेणी में आता है। किसी भी सभ्य समाज में यह स्तर सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करने के लिए पर्याप्त माना जाता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के मुताबिक इतने ऊंचे प्रदूषण स्तर में रहने से मनुष्य की औसत आयु 8.2 वर्ष तक कम हो सकती है। हृदयाघात, स्ट्रोक, दमा, फेफड़ों की बीमारियां और कई दीर्घकालिक रोगों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। बच्चों के फेफड़े सबसे ज़्यादा संवेदनशील होते हैं, जबकि बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों के लिए यह स्थिति जानलेवा साबित हो सकती है। यह कोई मौसमी असुविधा नहीं, बल्कि हर साल करोड़ों नागरिकों पर ढाया जाने वाला एक सुनियोजित अत्याचार है। जब यह हालात हर साल लगभग एक जैसे बनते हैं, तो फिर समाधान क्यों नहीं निकल पाता? क्या यह संकट इतना जटिल है कि इसका कोई रास्ता ही नहीं? दुनिया के दूसरे देशों ने तो साबित किया है कि इच्छाशक्ति हो तो हालात बदले जा सकते हैं। कुछ साल पहले बीजिंग की हवा भी दिल्ली जितनी दमघोंटू हो चुकी थी। 2013 में चीन की सरकार ने 'प्रदूषण के खिलाफ युद्ध' का ऐलान किया। उद्योगों और वाहनों के उत्सर्जन पर सख्त मानक लागू किए गए, कोयले पर निर्भरता घटाई गई और स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेज़ी से रुख किया गया। नतीजा यह हुआ कि कुछ ही वर्षों में बीजिंग सहित कई बड़े शहरों की हवा में ठोस सुधार देखने को मिला। यह सब किसी चमत्कार से नहीं, बल्कि लगातार और कठोर क्रियान्वयन से संभव हुआ। इसके उलट हमारे यहां हर साल वही पुरानी कहानी दोहराई जाती है। जैसे ही प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंचता है, प्रशासन हरकत में आता है। निर्माण गतिविधियों पर अस्थायी रोक लगा दी जाती है, ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान के कुछ चरण लागू होते हैं, पुराने डीज़ल वाहनों पर पाबंदी लगती है, स्कूल बंद कर दिए जाते हैं और नागरिकों को घरों में रहने की सलाह दी जाती है। यह सारे कदम आपातकालीन 'फायर फाइटिंग' भर हैं, स्थायी समाधान नहीं। कुछ हफ्तों बाद जैसे ही हवा थोड़ी साफ होती है, पूरा तंत्र फिर से सो जाता है। अगले साल वही हालात, वही बयानबाज़ी और वही लाचारी। दरअसल यह स्थिति केवल प्रशासनिक नाकामी नहीं, बल्कि संवैधानिक और नैतिक विफलता भी है। सांस लेने का अधिकार सीधे-सीधे जीवन के अधिकार से जुड़ा है, जिसे हमारा संविधान मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता देता है। जब राज्य साफ हवा सुनिश्चित करने में विफल रहता है, तो वह नागरिकों के जीवन के अधिकार का उल्लंघन करता है। इसके बावजूद न तो जवाबदेही तय होती है और न ही किसी को इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। प्रदूषण न नगर निगम की सीमाओं को मानता है और न ही राज्यों की सरहदों को। फिर भी दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के बीच समन्वय का घोर अभाव है। आज तक एक ऐसी स्थायी और शक्तिशाली संयुक्त समिति तक नहीं बन पाई है, जो पूरे क्षेत्र के लिए साझा नीति और क्रियान्वयन सुनिश्चित कर सके। पराली जलाने का मुद्दा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। हर साल किसानों को दोषी ठहराया जाता है, लेकिन उन्हें व्यवहार्य आर्थिक विकल्प नहीं दिए जाते। मशीनरी पर सब्सिडी, बायोफ्यूल के लिए प्रोत्साहन, फसल विविधीकरण या कटाई के बाद बचे अवशेषों पर वैल्यू एडिशन जैसे उपाय काग़ज़ों से आगे नहीं बढ़ पाते। इसी तरह स्वच्छ और किफायती सार्वजनिक परिवहन के विस्तार पर भी ज़रूरी निवेश नहीं किया गया। आज भी निजी वाहनों की संख्या बेलगाम बढ़ रही है, जबकि बसों, मेट्रो और साइकिल जैसे विकल्पों को पर्याप्त बढ़ावा नहीं मिल पा रहा। प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों को न तो शहरों से बाहर स्थानांतरित किया गया और न ही सख्ती से बंद किया गया। निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण और वाहनों के उत्सर्जन मानकों का पालन काग़ज़ों में तो है, ज़मीन पर नहीं। सबसे ज़्यादा हैरानी इस बात की है कि नागरिकों ने अब तक इसके खिलाफ कोई संगठित और प्रभावी आंदोलन क्यों नहीं खड़ा किया। इतिहास गवाह है कि जब-जब जनता ने अपने हक़ के लिए आवाज़ बुलंद की है, व्यवस्था को झुकना पड़ा है। फिर साफ हवा के लिए ऐसा आंदोलन क्यों नहीं? शायद इसलिए क्योंकि प्रदूषण को हमने अपनी नियति मान लिया है। हमने मान लिया है कि सर्दियों में खांसी, आंखों में जलन और सांस की तकलीफ 'नॉर्मल' है। यही सबसे खतरनाक स्वीकार्यता है।

ज़रूरत इस सोच को बदलने की है। साफ हवा के लिए संघर्ष को किसी एक मौसम या शहर तक सीमित नहीं किया जा सकता। यह एक सतत जनांदोलन बनना चाहिए, जिसमें अदालतें, मीडिया, डॉक्टर, वैज्ञानिक, छात्र और आम नागरिक सब शामिल हों। सरकारों पर लगातार दबाव बने कि वे तात्कालिक उपायों से आगे बढ़कर दीर्घकालिक नीतियां लागू करें। बजट में स्वच्छ ऊर्जा, सार्वजनिक परिवहन और प्रदूषण नियंत्रण को प्राथमिकता मिले। इसके साथ ही पारदर्शिता और जवाबदेही भी तय करनी होगी। हर साल यह स्पष्ट किया जाए कि पिछले वर्ष तय लक्ष्यों में से कितने पूरे हुए और क्यों नहीं हुए। जिन एजेंसियों और अधिकारियों की लापरवाही से हालात बिगड़ते हैं, उनकी जवाबदेही तय हो।

लड़कियों के लिए शिक्षा के अवसर सीमित हो जाते हैं

उत्तराखंड का बागेश्वर ज़िला पहाड़ों की गोद में बसा हुआ वह क्षेत्र है, जहां प्रकृति की सुंदरता के साथ जीवन की कठिनाइयाँ भी उतनी ही गहराई से मौजूद हैं। यहाँ के गाँव जैसे गरुड़ ब्लॉक के अंतर्गत आने वाला गनीगांव दिखने में शांत लगते हैं, लेकिन इन गाँवों की किशोरियाँ रोज़ ऐसे फैसलों और दबावों के बीच जीती हैं, जो उनके बचपन, पढ़ाई और भविष्य को तय कर देते हैं। सरकारी आँकड़े बताते हैं कि बागेश्वर जिले की महिला साक्षरता दर 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 86 प्रतिशत थी, जो उत्तराखंड के कई अन्य जिलों की तुलना में बेहतर मानी जाती है। लेकिन यह प्रतिशत जमीनी सच्चाई का पूरा सच नहीं बताता। काग़ज़ों में साक्षरता का अर्थ सिर्फ़ नाम लिखना या पढ़ लेना नहीं होता। असली सवाल यह है कि कितनी लड़कियां पढ़ाई पूरी कर पाती हैं, कितनी आगे बढ़ पाती हैं और कितनी को अपने जीवन के फैसले खुद लेने का अवसर मिलता है। NFHS-5 (2019–21) के अनुसार बागेश्वर में लगभग 52 प्रतिशत महिलाएं ही ऐसी हैं जिन्होंने 10 वर्ष या उससे अधिक शिक्षा पूरी की है। इसका अर्थ है कि लगभग आधी लड़कियाँ और महिलाएँ दसवीं के बाद पढ़ाई से बाहर हो जाती हैं। यह वही उम्र होती है, जहाँ जीवन की दिशा तय होती है। गनीगांव की 19 वर्षीय दीपा लिंगड़िया कहती हैं "हमारे घर में पाँच बहनें हैं। पापा अकेले खेती और मज़दूरी करते हैं। पढ़ाई का खर्च उठाना बहुत मुश्किल था। किताबें, कॉपी, ड्रेस सब कुछ बोझ लगता था। मेरी दो बहनों की शादी 18 साल में ही कर दी गई।" दीपा की आवाज़ में शिकायत कम, मजबूरी ज्यादा है। वह यह भी कहती हैं कि पढ़ाई छोड़ने का फैसला अचानक नहीं हुआ, बल्कि धीरे-धीरे हालात ने यही रास्ता दिखाया। जब किसी परिवार की आमदनी सीमित हो, तो प्राथमिकताएँ भी सीमित हो जाती हैं। पहाड़ी इलाकों में रोजगार के अवसर पहले ही कम हैं। पुरुषों का पलायन आम बात है और जो रह जाते हैं, वे खेती या दिहाड़ी पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में घर की लड़कियों की पढ़ाई अक्सर "अतिरिक्त खर्च" के रूप में देखी जाने लगती है। यूडीआईएसई प्लस के आंकड़े दिखाते हैं कि पिछले दस वर्षों में प्राथमिक स्तर पर लड़कियों का नामांकन बेहतर हुआ है, लेकिन माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर ड्रॉपआउट की समस्या अब भी बनी हुई है, खासकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में।

19 वर्षीय कविता रावल बताती हैं "जब तक स्कूल चल रहा था, सब ठीक था। 12वीं के बाद घर बैठी तो हर कोई पूछने लगा कि अब क्या करेगी। फिर रिश्तों की बात शुरू हो गई।" कविता की इस बात साफ झलकता है कि समाज में पढ़ाई को केवल एक सीमा तक ही स्वीकार किया जाता है। उसके बाद लड़की से अपेक्षा की जाती है कि वह अगले चरण यानी शादी के बंधन में बंध जाए, चाहे इसके लिए वह तैयार भी है या नहीं। यह स्थिति केवल किशोरियों तक सीमित नहीं है। 29 वर्षीय उमा देवी कहती हैं "हमारे यहाँ 18-19 साल में लड़के या लड़कियों की शादी होना अब भी बहुत सामान्य है। लोग इसे गलत नहीं मानते। अगर घर में स्थायी आमदनी हो, तो माता-पिता शायद बेटियों को और समय दे सकें।" उमा देवी की बात यह दर्शाती है कि सोच में बदलाव की इच्छा तो है, लेकिन आर्थिक असुरक्षा उस बदलाव को रोक देती है। बागेश्वर जिले में महिलाओं की साक्षरता दर राज्य के औसत से बेहतर होने के बावजूद, आर्थिक भागीदारी बहुत कम है। एनएसएसओ और राज्य स्तरीय रिपोर्टों के अनुसार उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी लगातार घट रही है। इसका सीधा असर यह होता है कि परिवार में निर्णय लेने की शक्ति भी सीमित रह जाती है। जब लड़की आर्थिक रूप से निर्भर होती है, तो उसकी आवाज़ भी कमजोर पड़ जाती है। 48 वर्षीय इंद्रा देवी, जिनकी चार बेटियाँ हैं, अपनी ज़िंदगी के फैसलों को याद करते हुए कहती हैं "रिश्ते आते थे और हम मना नहीं कर पाते थे। हालात ऐसे थे कि बेटी भी ज़्यादा कुछ नहीं कहती थी। वह समझती थी कि घर की हालत ठीक नहीं है।" इंद्रा देवी की यह बात दिखाती है कि कई बार चुप्पी सहमति नहीं, बल्कि महिलाओं की मज़बूरी होती है। इस पूरे परिदृश्य में यह समझना ज़रूरी है कि कम उम्र में शादी केवल एक सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि आर्थिक दबाव और अवसरों की कमी का परिणाम है। जब किसी लड़की के सामने पढ़ाई के बाद न तो नौकरी का रास्ता दिखता है और न ही कौशल प्रशिक्षण का, तो परिवार को लगता है कि शादी ही सबसे सुरक्षित विकल्प है। लेकिन यह सुरक्षा अक्सर लड़की की आकांक्षाओं की कीमत पर आती है। पिछले कई वर्षों से बागेश्वर के ग्रामीण क्षेत्रों में किशोरी सशक्तिकरण पर काम कर रही सामाजिक कार्यकर्ता नीलम ग्रेंडी कहती हैं "ग्रामीण इलाकों में लड़कियों की शादी आज भी समाधान की तरह देखी जाती है। गरीबी, बेरोजगारी और शिक्षा के बाद विकल्पों की कमी इस सोच को मजबूत करती है।" उनका अनुभव बताता है कि यह समस्या व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पूरे सामाजिक ढांचे से जुड़ी हुई है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा किताबें, छात्रवृत्ति, साइकिल और स्कूल सुविधा देने से शुरुआती शिक्षा तक पहुँच ज़रूर बेहतर हुई है। लेकिन माध्यमिक शिक्षा के बाद का खालीपन अब भी बना हुआ है। नीलम कहती हैं कि बागेश्वर जैसे ज़िलों में आज भी स्थानीय स्तर पर ऐसा कोई रोजगार आधारित प्रशिक्षण केंद्र नहीं है, जहां किशोरियां प्रशिक्षित होकर आत्मनिर्भर बन सकें. परिणामस्वरूप, किशोरियाँ पढ़ाई के बाद घर तक सीमित रह जाती हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि जब लड़कियां घर पर रहती हैं, तो उनसे घरेलू कामों की अपेक्षा बढ़ जाती है। धीरे-धीरे उनकी पहचान एक छात्रा से घर का काम करने वाली लड़की मात्र में बदल जाती है। यह बदलाव चुपचाप होता है, लेकिन बहुत गहरा असर छोड़ता है। फिर भी, इन पहाड़ियों में उम्मीद पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। कई किशोरियाँ अब सवाल पूछ रही हैं, अपने भविष्य को लेकर गंभीरता से सोच रही हैं और पढ़ाई को केवल डिग्री नहीं, बल्कि आगे बढ़ने और अपने पैरों पर खड़ा होने का रास्ता मान रही हैं। जब उन्हें सही मार्गदर्शन, आर्थिक सहारा और परिवार का भरोसा मिलता है, तो वे आगे बढ़ने की हिम्मत भी जुटा पाती हैं।

वास्तव में, बागेश्वर की किशोरियों का संघर्ष सिर्फ़ आँकड़ों की कहानी नहीं है। यह कहानी है सपनों और सीमाओं के टकराव की, इच्छाओं और हालात के संघर्ष की। यदि शिक्षा के साथ-साथ रोजगार, कौशल और सुरक्षा के अवसर मजबूत किए जाएँ, तो ये पहाड़ सिर्फ़ सुंदर नहीं, बल्कि बराबरी और सम्मान से भरे भविष्य के साक्षी भी बन सकते हैं।

पूजा, बागेश्वर, उत्तराखंड
(यह लेखिका के निजी विचार हैं)

गोपालन और कृषि विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक

-यूरिया, डीएपी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध, जिला कलक्टर्स मांग के अनुरूप संबंधित क्षेत्र में आपूर्ति करें सुनिश्चित- भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पंजीकृत गोशालाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि गोशालाओं में पानी-चारा सहित आवश्यक व्यवस्थाओं की सघन ऑडिट करते हुए बेहतर प्रबंधन और संचालन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में गोपालन और कृषि विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अधिकारी 'आदर्श गोशालाएं' बनाने के लिए योजनाबद्ध रूप से कार्य करें। गोशालाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के क्रम में गौ-काष्ठ मशीनों का संचालन सहित नवीन तकनीकों का समावेश किया जाए। आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण में गौ उत्पादों की महत्ता के बारे में गोशाला समितियों को जागरूक करें। समितियों के प्रबंधन और संचालन को बनाएं और पारदर्शी, गौ संरक्षण के कार्यों में भामाशाहों को करें प्रोत्साहित - शर्मा ने कहा कि गोशालाओं के

प्रबंधन और संचालन में संबंधित समिति की जिम्मेदारी तय की जाए। समिति की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और आवश्यक सुधार के लिए प्रभावी योजना बनाई जाए। उन्होंने गोशालाओं के संचालन में भामाशाहों और आमजन के सहयोग को अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए, ताकि व्यापक स्तर पर गौ सेवा के कार्य हो सके।

मोबाइल वेटनरी सेवा की करें नियमित ऑडिट-

मुख्यमंत्री ने कहा कि पशुओं के उपचार के लिए टोल फ्री मोबाइल वेटनरी सेवा के संचालन में पारदर्शिता लाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। सेवा से संबंधित वाहनों के रूट, उपलब्ध दवाओं की नियमित ऑडिट करते हुए पशुपालकों को वास्तविक लाभ सुनिश्चित करें। शर्मा ने रबी सीजन में यूरिया और डीएपी की समीक्षा करते हुए कहा कि किसानों को उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। जिला कलक्टर्स कम उपलब्धता और अधिक खपत वाले जिलों और ब्लॉकों को चिन्हित कर प्रदेश भर में प्राथमिकता के साथ पूर्ण पारदर्शिता से डीएपी व यूरिया का वितरण सुनिश्चित करें।

जैविक खेती के लिए किसानों को करें प्रोत्साहित-

मुख्यमंत्री ने कृषि और सहकारिता विभाग को उर्वरकों का वितरण ग्रामीण सहकारी समितियों द्वारा प्राथमिकता से कराने के संबंध में योजना बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इस संबंध में आगामी वर्ष मई-जून में एक कार्यक्रम भी आयोजित जाए। उन्होंने जैविक खेती के संबंध में किसानों के प्रशिक्षण के लिए कार्ययोजना बनाने के लिए भी निर्देशित किया।

राजस्थान में एग्रीकल्चर हब बनने की क्षमता-

शर्मा ने कहा कि राजस्थान में एग्रीकल्चर हब बनने की पूर्ण क्षमता है। अधिकारी प्रदेश की गुणवत्तापूर्ण उपज की देश-विदेश में व्यापक स्तर पर मार्केटिंग की योजना बनाएं। उन्होंने मुख्यमंत्री बीज स्वावलंबन योजना के अंतर्गत मिनी बीज किटों की वितरण प्रणाली प्रबंधन को और पारदर्शी बनाने के भी निर्देश दिए।

राज्य सरकार के 2 वर्ष के उपलक्ष्य पर धौलपुर में राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन

-हमारी सरकार ने नीतियों एवं योजनाओं में महिला उत्थान को दी सर्वोच्च प्राथमिकता - भजनलाल शर्मा

-मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थियों के खाते में राशि की हस्तानांतरित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधी आबादी के सशक्तीकरण से ही समग्र विकास का सपना पूरा किया जा सकता है। हमारी सरकार ने अपने दो वर्ष के कार्यकाल में महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार अपनी नीतियों एवं योजनाओं के माध्यम से महिला उत्थान के लिए निरंतर निर्णय ले रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विकसित राजस्थान 2047 के संकल्प को साकार करने में हमारी आधी आबादी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। शर्मा ने राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत शुक्रवार को धौलपुर के पचगांव में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में नारी शक्ति का सदैव सम्मान रहा है। शास्त्रों में भी कहा गया है, जहां नारियों की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं।

प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति को बनाया राष्ट्रीय प्रगति का आधार-

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की नारी शक्ति को सम्मान और गरिमा देने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। उन्होंने नारी शक्ति को राष्ट्रीय प्रगति का आधार बनाया है तथा स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, स्वच्छता, वित्तीय समावेशन और नेतृत्व जैसे क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने वाली नीतियां लागू की हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत पिछले 11 वर्षों में 12 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए हैं। साथ ही, जल जीवन मिशन के तहत 13 लाख 59 हजार ग्रामीण परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के माध्यम से समाज में बालिकाओं के प्रति भेदभाव की मानसिकता को समाप्त करने का काम किया है। इसी तरह उज्ज्वला योजना, सुकन्या समृद्धि, लखपति दीदी तथा महिलाओं के जन धन खाते खोलने जैसी योजनाओं से महिलाओं का आर्थिक भविष्य सुरक्षित हुआ है।

लखपति दीदी योजना से 19 लाख से अधिक महिलाओं को मिला प्रशिक्षण-

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में भी हमारी सरकार ने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और उनके सशक्तीकरण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 19 लाख 45 हजार महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर 12 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई गईं। साथ ही, लाडो प्रोत्साहन योजना से अब तक 4 लाख 60 हजार बालिकाओं को लाभान्वित किया जा चुका है। इसी तरह 10 लाख 51 हजार साइकिलें और 39 हजार 586 स्कूटियां देकर बालिका शिक्षा को गति दी गई है। उन्होंने कहा कि हमने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत दी जाने वाली 5 हजार रुपये की राशि को बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये किया है। मा वाउचर योजना से अब तक 2 लाख 26 हजार महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा के लिए 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट तथा 65 एंटी रोमियो स्क्वॉड का गठन किया गया है। हमारी सरकार के कार्यकाल में महिला अत्याचार के मामलों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है।

यूडीएच मंत्री ने कोटा दक्षिण के विकास रथ का किया अवलोकन

-पिछले दो साल में जन कल्याण की दिशा में कई कदम उठाए- खर्रा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कोटा जिले के सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों में विकास रथों के माध्यम से शुक्रवार को विकास कार्यों, राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं, घोषणाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी आमजन को दी गई। राज्य सरकार के कार्यकाल के 2 वर्ष पूर्ण होने पर राज्य सरकार की विकास एवं फ्लेगशिप योजनाओं, बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन सम्बंधी उपलब्धियों के व्यापक प्रचार- प्रसार हेतु प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विकास रथ गांव—गांव ढ़ाणी—ढ़ाणी पहुंच कर सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी बुकलेट, फोल्डर, दृश्य—श्रव्य माध्यम से दी जा रही है। कोटा दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के विकास रथ का शुक्रवार को सीएडी सर्किल के पास प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में कई जनकल्याणकारी योजनाओं एवं फ्लेगशिप कार्यक्रमों को लागू किया गया है। इन्हीं योजनाओं और कार्यक्रमों के साथ राज्य सरकार की उपलब्धियों का

व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए सभी विधानसभा क्षेत्रों में विकास रथ जा रहे हैं। इस अवसर पर कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा एवं राकेश जैन ने भी आमजन को राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

विकास रथ यात्रा का दीगोद में हुआ स्वागत—

ऊर्जा मंत्री ने किया विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास सांगोद विधानसभा क्षेत्र में विकास रथ शुक्रवार को दीगोद क्षेत्र में पहुंचा। यात्रा में ऊर्जा राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर और राज्यसभा सांसद नारायण पंचारिया मौजूद रहे। नागर ने विभिन्न स्थानों पर 11.62 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। विकास रथ यात्रा मारवाड़ा चौकी से प्रारंभ होकर भीमपुरा, मूंडला, पारलिया, नयागांव अहिरान, मंडावरी, कोटसुआ, बालापुरा, चंद्रावला, निमोदा, छिपडदा, हरिपुरा, कचोलिया, कंवरपुरा, डूंगरज्या, फतेहपुर, सोली, दीगोद, देवपुरा होते हुए मंडोला पहुंची। नागर ने कहा कि 2 साल में ही जन संकल्प पत्र की 73 प्रतिशत घोषणाएं पूरी हो गई हैं। किसानों को सम्मान निधि में राज्य की ओर से अतिरिक्त राशि जोड़कर 9000 रूपये प्रतिवर्ष मिल रहे हैं।

राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर जयपुर में हुआ जिला स्तरीय महिला सम्मेलन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के कार्यकाल के सफल दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत शुक्रवार को जयपुर में जिला स्तरीय महिला सम्मेलन जिला परिषद सभागार में हुआ। कार्यक्रम में रमा देवी चौपड़ा, जिला प्रमुख, महेन्द्र पाल मीणा, विधायक जमवारामगढ़ गोपाल शर्मा, विधायक सिविल लाइन्स, जिला कलक्टर जितेन्द्र कुमार सोनी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा एवं अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी बृजमोहन गुप्ता, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में रमा देवी चोपड़ा ने राज्य सरकार के दो वर्षों के कार्यकाल में महिलाओं, बालिकाओं, विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों एवं वंचित वर्गों के कल्याण हेतु संचालित योजनाओं एवं नवाचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकार की प्राथमिकता

सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं महिला सशक्तीकरण रही है। शुक्रवार को ही राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन कार्यक्रम धौलपुर में हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, पालनहार योजना, उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना, अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों हेतु पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति सहित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों को राशि हस्तांतरित की। शर्मा ने हेल्थ इंश्योरेंस कार्ड इंटर-ऑपरेबिलिटी लागू किए जाने की घोषणा भी की, जिससे प्रदेशवासियों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ और अधिक सुगमता से मिल सकेगा। जिला स्तरीय महिला सम्मेलन के दौरान राजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य कल्याण एवं पेंशन योजनाओं से जुड़े लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र एवं आयुष्मान आरोग्य कार्ड वितरित किए गए। इसके साथ ही राजीविका की 'लखपति दीदीयों' को प्रोत्साहन स्वरूप विशेष बैग भी प्रदान किए गए जिससे महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण को और मजबूती मिलेगी।

जिला संगठन प्रभारी के PTN फाइनेंस पहुंचने पर जोरदार स्वागत

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के दोसा मोड़ स्थित PTN फाइनेंस कार्यालय पर शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के भाजपा पूर्व प्रदेश मंत्री एवं जिला संगठन प्रभारी अलवर उत्तर, अशोक सैनी संगठन सह प्रभारी गौरव यादव के मनोहरपुर आगमन पर माला और साफा बंधवाकर और संत 1008 नारायण दास जी महाराज त्रिवेणी धाम की फोटो देखकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर युवा मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य महेंद्र कसाना के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। प्राप्त जानकारी के कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष रामप्रकाश नाई,भाजपा नेता सिद्धार्थ गुर्जर, राहुल यादव, इस्लाम खान, मंडल उपाध्यक्ष नंदलाल गुर्जर मंडल महामंत्री प्रहलाद गुर्जर रोहतास यादव, किशन जिंदल सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने नारायण दास जी की तस्वीर भेंट कर सम्मान किया। इस दौरान नेताओं ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को और मजबूत करने का संदेश दिया।

मीणा ने भोपाल की सभा में 28 को आने का निवेदन किया

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। देश एवं प्रदेश में आरक्षित वर्ग के हितों के लिए आरक्षित वर्ग के लोगों को संघर्ष करना पड़ेगा। जगदीश मीणा स्टेट अध्यक्ष राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद राजस्थान राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद द्वारा आयोजित भोपाल में आयोजित 28 तारीख के सम्मेलन के लिए प्रदेश अध्यक्ष जगदीश मीणा ने अपनी टीम सहित जोधपुर संभाग का दौरा किया। जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों संगठन के पदाधिकारी गणों एवं समाज सेवा से जुड़े साथियों से मुलाकात की और कहा कि देश में जनसंख्या के आधार पर देश एवं प्रदेश की सरकारों को आरक्षण देना चाहिए एवं सरकारी नौकरियों में खाली पड़े बैकलॉग को भरने का कार्य करना चाहिए। इन सब मुद्दों को लेकर मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 28 दिसंबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण मगरिया के नेतृत्व में एक सभा का आयोजन किया गया है। जिसमें सभी लोग पधारने का कष्ट करें कार्यक्रम में जोधपुर बाड़मेर जालौर के कार्यकर्ताओं ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आश्वासन दिया।

ख्वाजा के दर हेतू मलंगों की मोहब्बती भरी यात्रा

-फ़क़ीर के दिल से निकली हर दुआ रंग लाती है- नदीम खान पठान

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। ख्वाज़ा गरीब सहित सभी वलियों से मोहब्बत करने वाले आँधी के नदीम खान पठान ने कहा कि "निगाहें वली मे व्व तासीर देखी, बदलती हुई रोज हजारों की तक़दीर देखी"। यह शब्द पठान ने ख़्वाजा गरीब नवाज के 814 वें उर्स पर शिरकत करने के लिए जारहे मलंग व फकीरों की सेवा करने के बाद में कहे। पठान ने बताया कि 2025 — सूफी संत हजरत ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह पर इस साल का 814 वां उर्स मुबारक अपने रंग में है। लेकिन इस धार्मिक महोत्सव की सबसे अनोखी तस्वीर है — महरौली से निकले मलंग बाबाओं का जुनूनी कारवां, जो खुदा की मोहब्बत में सर्दी, गर्मी, और थकान को भूलकर, अजमेर की ओर बढ़ रहे हैं। पठान ने शायराना अंदाज़ में कहा कि "हद तपे सो औलिया, बे हद तपे सो पीर, हद बेहद तपे ताको नाम फ़क़ीर" ये मलंग बाबा, फकीरी के इस उच्चतम दर्जे को जीते हैं। आँधी के नदीम खान पठान कहते हैं, "फ़क़ीर के दिल से निकली हर दुआ रंग लाती है।" और ये मलंग उसी रंग में रंगे हुए हैं — एक ऐसा रंग, जिसमें सांसारिकता का नाम नहीं, सिर्फ वली की मोहब्बत है। फकीरी की दुनिया, जहां दुनियादारी नहीं ये मलंग खुद की करामात छुपाकर, शान्ति से जीते हैं। न उन्हें पैसों की लालसा, न दुनिया के झमेले। ये खुदा के नाम पर फकीरी ओढ़े हुए हैं, और उसी के नाम से हर

काम करते हैं। वलियों से इनकी मोहब्बत ऐसी है कि अगर कोई इनकी मदद करता है, तो उसकी मनोकामना अवश्य पूरी होती है। ये जंगल के अंधेरे रास्तों पर, कई दिनों तक बिना खाए-पिए चलते रहते हैं, लेकिन किसी के आगे हाथ नहीं फैलाते। क्यों? क्योंकि उनका रखवाला खुद इनकी देखभाल करता है।

मोहब्बत का कठिन सफर, थकान का नाम नहीं-

ये मलंग बाबा महरौली (दिल्ली) से अपनी यात्रा शुरू करते हैं। दिल्ली की सड़कों से गुजरते हुए, आमेर घाटी के बाबा के मजार पर हाजिरी देते हैं, और फिर चार दरवाजे में स्थित हजरत मौलाना जियाउद्दीन साहब के दर पर इकठ्ठा होते हैं। यहां से, ये एक साथ छड़ियों का जुलूस लेकर निकल पड़ते हैं — अजमेर शरीफ की ओर। सर्दी की कड़ाके वाली रातें, गर्मी की तपती धूप, बरसात के भिगोते रास्ते, पैरों में पड़ते छाले — इनमें से कुछ भी इनके कदमों को रोक नहीं पाता। क्यों? क्योंकि इनके दिल में गरीब नवाज की मोहब्बत है। ये अजमेर पहुंचकर अपनी छड़ियों को ख्वाजा के दर पर पेश कर ही दम लेते हैं।

हिन्द-मुस्लिम एकता के प्रतीक, ख्वाजा के दीवाने-

ख्वाजा गरीब नवाज, जिन्होंने सदियों पहले कहा था, "मोहब्बत सबको सब से है, नफरत किसी से नहीं," आज भी इन मलंगों के रग-रग में बसते हैं। ये जुलूस न सिर्फ एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह एक संदेश है — एकता, प्रेम, और आत्मसमर्पण का।

एक मलंग बाबा फकीरी लेठी पर झूमते हुए कहते हैं-

"हमारे पास न धन है, न दौलत। हमारे पास गरीब नवाज का नाम है। हम उनके दर पर अपनी सांसें सौंपने जा रहे हैं।" दुआ का असली रंग, इनके चेहरे पर इन मलंगों की दुनिया अलग है। न इनके पास कुछ मांगने को, न देने को। ये सिर्फ मोहब्बत बांटते हैं। और जब ये ख्वाजा के दर पर पहुंचते हैं, तो लगता है जैसे पूरी कायनात उनकी दुआओं का इंतजार कर रही हो।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं का टाइम टेबल घोषित

-12 फरवरी से शुरू होगी परीक्षा, सुरक्षा के होंगे पुख्ता इंतजाम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं का टाइम टेबल घोषित कर दिया है। 10वीं की परीक्षा 12 फरवरी से 28 फरवरी तक आयोजित होगी। वहीं 12वीं की परीक्षा 12 फरवरी से 11 मार्च तक परीक्षा होगी। परीक्षा में कुल 19 लाख 86 हजार 422 परीक्षार्थी भाग लेंगे। बोर्ड सचिव गजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि इन परीक्षओं के दौरान करीब 6 अवकाश रहेंगे। जिसमें चार रविवार और दो अवकाश होली और धुलण्डी के रहेंगे। परीक्षा में सैकण्ड़री के 10 लाख 68 हजार 610, सीनियर सैकण्ड़री के 9 लाख 5 हजार 872 परीक्षार्थी शामिल है। वरिष्ठ उपाध्याय के 4123 और प्रवेशिका के 7817 परीक्षार्थी है। कुल 6193 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सचिव ने बताया कि सुरक्षा को लेकर पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं। प्रश्न पत्र पुलिस थानों और चौकियों में रखे जाएंगे। सेंटर्स पर नकल न हो इसे लेकर सीसीटीवी से निगरानी रखी जाएगी। साथ ही वीडियोग्राफी भी होगी। बोर्ड ने संवेदनशील और अति संवेदनशील परीक्षा केन्द्र चिन्हित किए है। इसमें विशेष तौर पर वीडियोग्राफी की जाएगी। परिणाम जल्द घोषित करने के प्रयास किए जाएंगे।

जयपुर में हाईपावर कमेटी की बैठक आयोजित—

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए राज्य स्तरीय उच्चाधिकार प्राप्त परीक्षा समिति की बैठक शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। शिक्षा संकुल में आयोजित बैठक में गृह विभाग, शिक्षा विभाग एवं सामान्य प्रशासन विभाग से संबंधित प्रमुख बिन्दओं, कानून व्यवस्था, प्रश्न-पत्रों के सुरक्षित वितरण व उनकी परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा, जिला स्तरीय परीक्षा संचालन समितियों का गठन व परीक्षा संचालन के लिए रेस्मा कानून आदि बिन्दओं पर चर्चा की गई। इसके साथ ही अति संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए विशेष व्यवस्थाओं पर बात की गई। शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने परीक्षाओं को पारदर्शी बनाए रखने के लिए प्रश्न पत्र केंद्रों की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने व एकल केंद्र बनाने से यथासंभव बचने के लिए कहा। साथ ही उन्होंने गत वर्षों के परिणाम के आंकड़ों की समीक्षा कर इसके आधार पर केंद्रों की सुरक्षा रणनीति बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी सत्र एक अप्रैल से शुरू किए जाने के मद्देनजर इस बार दसवीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम पहले जारी करने के निर्देश दिए जिससे विद्यालयों में 11वीं कक्षा की प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित न हो। बैठक में एडीजी एसओजी वीके सिंह, संयुक्त सचिव गृह विभाग मनीष गोयल, प्रशासक माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान शक्ति सिंह राठौड़, सचिव माध्यमिक शिक्षा बोर्ड गजेन्द्र सिंह राठौड़, अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक द्वितीय अशोक कुमार मीना, डीजी होमगार्ड के प्रतिनिधि बादोराव मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। निदेशक माध्यमिक शिक्षा सीताराम जाट बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

23 हजार 100 रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 12 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में शुक्रवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में गांधी सर्किल से झालाना, अपेक्स सर्किल, 07 नंबर चौराहा महल रोड़, जेईआरसी यूनिवल सिटी होते हुए बॉम्बे हॉस्पिटल, जेएलएन मार्ग कनोडिया कॉलेज के सामने, एसएमएस अस्पताल, ढेहर के बालाजी स्टेशन के सामने, वैष्णो माता मन्दिर के पास झोटवाड़ा, संजय नगर तिराहा झोटवाड़ा, झारखण्ड महादेव मन्दिर के सामने एवं रोड़, बड़ी चौपड़, छोटी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, चौड़ा रास्ता, किशनपोल बाजार, गणगौरी बाजार, जौहरी बाजार, हवामहल रोड, संजय सर्किल, सुभाष चौक क्षेत्र, मोती कटला दरवाजा, घोड़ा निकास रोड, रामगंज चौपड़ से घाटगेट बाजार से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 23 हजार 100 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 12 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में गांधी सर्किल से झालाना, अपेक्स सर्किल, 07 नंबर चौराहा महल रोड़, जेईआरसी यूनिवल सिटी होते हुए बॉम्बे हॉस्पिटल, जेएलएन मार्ग कनोडिया कॉलेज के सामने, एसएमएस अस्पताल, ढेहर के बालाजी स्टेशन के सामने, वैष्णो माता मन्दिर के पास झोटवाड़ा, संजय नगर तिराहा झोटवाड़ा, झारखण्ड महादेव मन्दिर के सामने एवं रोड़, बड़ी चौपड़, छोटी चौपड़ से अतिक्रमण हटवाया गया।

विधायक मनीष यादव का जन्मदिन 22 को

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। मनोहरपुर में 22 दिसंबर को विधायक मनीष यादव के जन्मदिन और रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए नगर कांग्रेस कमेटी, मनोहरपुर के कार्यकर्ताओ की बैठक का आयोजन किया गया, इस दौरन नगर अध्यक्ष अल्लाउद्दीन खा, सेवादल अध्यक्ष राकेश हलकारा, सामाजिक कार्यकर्ता महेश जड़वाल, युवा नेता कैलाश जुर्जर, खेमचंद असवाल, विक्रम धोलीवाल, रामस्वरूप बेनीवाल, निशार खोखर, शशिकांत बेनीवाल, महावीर सैनी, वसीम खान, इमरान आजाद, राजेश सैनी, रवि बेनीवाल आदि ने अपने-अपने विचार रखे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कार्मिकों व साथिनों ने किया जिला स्तरीय विकास प्रदर्शनी का अवलोकन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश सरकार के 02 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सूचना केंद्र में आयोजित की गई जिला स्तरीय विकास प्रदर्शनी का शुक्रवार को चूरू विधायक हरलाल सहारण, बसंत शर्मा, चंपालाल गेदर, विजय आचार्य सहित जनप्रतिनिधियों ने अवलोकन किया तथा प्रदर्शनी में जिले में हुए विकास कार्यों की झलकियों की सराहना की।इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि जिला स्तरीय विकास प्रदर्शनी जिले में हुए विकास कार्यों का सजीव चित्रण है। भजनलाल सरकार प्रदेश सहित चूरू जिले में भी विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है।एपीआरओ मनीष कुमार ने प्रदर्शनी का अवलोकन करवाते हुए विकास कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान बसंत शर्मा, अभिषेक चोटिया, ओम सारस्वत, भास्कर शर्मा, श्रीराम पीपलवा, रजत, सुरेश सारस्वत सहित अन्य मौजूद रहे।नौअधिकारियों, कार्मिकों व साथिनों ने किया अवलोकन शुक्रवार को महिला अधिकारिता विभाग, पशुपालन विभाग, बाल संरक्षण इकाई के अधिकारियों, कार्मिकों, साथिनों व आमजन ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। सभी ने प्रदर्शनी में लगाई गई विषयवस्तु की सराहना की और कहा कि विकास कार्यों को प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शित करना आमजन को जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में अधिक जागरूकता का काम करेगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समीक्षा गौतम ने जिला कारागृह सवाई माधोपुर का आकस्मिक निरीक्षण कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा विचाराधीन प्रकरण शशि उर्फ शशि चिकना विवेकानंद जुरमानी बनाम महाराष्ट्र राज्य एसएलपी (क्रिमिनल) संख्या 12690/2025 में पारित आदेश की पालना में समीक्षा गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर द्वारा शुक्रवार को जिला कारागृह सवाई माधोपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सचिव समीक्षा गौतम द्वारा जिला कारागृह सवाई माधोपुर के उपाधीक्षक बिहारीलाल एवं जेलर ताराचंद शर्मा से ऐसे विचाराधीन बंदियों के संबंध में जानकारी ली गई, जिन्हें ट्रायल कार्यवाही के दौरान अदालत के सामने पेश होने में समस्या आ रही है, साथ ही पेश न होने के कारणों एवं सिस्टमैटिक कमी के संबंध में भी जानकारी ली गई। इसके अतिरिक्त ऐसे बंदीगण की जानकारी प्राप्त की गई, जिन्होंने अपराध की निर्दिष्ट अधिकतम अवधि के आधे से अधिक या एक तिहाई तक की अवधि हिरासत में व्यतीत कर ली है। साथ ही बंदियों के पास अधिवक्ता की उपलब्धता, जेल विजिटिंग लॉयर व जेल विजिटिंग अधिकार मित्र द्वारा प्रिजन लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से की गई कार्यवाही एवं बंदीगण के साथ उनका प्रभावी रूप से संवाद आदि के संबंध में जानकारी ली गई। सचिव समीक्षा गौतम द्वारा उपाधीक्षक बिहारीलाल को बंदियों के पास अपने मुकदमे की पैरवी हेतु अधिवक्ता की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं विचाराधीन बंदियों को ट्रायल कार्यवाही के दौरान अदालतों के सामने नियत समय पर व्यक्तिशः या वर्चुअल रूप से पेश करने आदि के संबंध में दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। निरीक्षण के दौरान अधिकार मित्र मगनलाल मीना उपस्थित रहे।

केबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने जिला अस्पताल महुवा का किया औचक निरीक्षण

-डॉक्टर को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

शफीक अली

महुआ (रॉयल पत्रिका)। महुवा केबिनेट मंत्री डॉ किरोड़ी लाल मीणा ने शुक्रवार को महुवा जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया, मौके पर अस्पताल में भरती मरीजों से बातचीत की और इमरजेंसी वार्ड में आए मरीजों का तुरंत जांच करवा कर डॉक्टर को दवा लिखने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल के वार्डों, दवा-वितरण काउंटर, पर्ची काउंटर, सफाई व्यवस्था की जांच की और पीएमओ राम सिंह मीणा व डॉक्टरों को आमजन कोअच्छी चिकित्सा व्यवस्थाओं देने के दिशा निर्देश दिए।

जिला स्तरीय महिला सम्मेलन का आयोजन

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला स्तरीय महिला सम्मेलन का आयोजन शुक्रवार को जिला परिषद सभागार, पाली में किया गया। राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन धौलपुरा का सीधा प्रसारण व संवाद कार्यक्रम जिला परिषद सभागार में हुआ। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा डीबीटी के माध्यम से पालनहार योजना, उच्च शिक्षा के लिए चयनित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजना तथा अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना की राशि का हस्तांतरण किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के अंतर्गत आउट-बोइंग पोर्टेबिलिटी योजना का शुभारंभ किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में चिकित्सा विभाग द्वारा चयनित महिलाओं को आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। वहीं रसद विभाग द्वारा उज्ज्वला गैस योजना की लाभार्थी महिलाओं को गैस डायरी वितरित की गई तथा राजीविका समूह द्वारा महिला स्वयं सहायता समूहों को चेक प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधि ज्ञानचंद पारख द्वारा उपस्थितजनों को राष्ट्रहित की शपथ दिलाई गई। इसके अतिरिक्त शिक्षा विभाग माध्यमिक द्वारा बालिकाओं को निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, जनप्रतिनिधि महेंद्र बोहरा, रामनारायण साबू, अतिरिक्त जिला कलेक्टर बजरंग सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकेश चौधरी, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेंद्र मेहता, जिला रसद अधिकारी मनजीत सिंह, शिक्षा विभाग माध्यमिक के अधिकारी राहुल राजपुरोहित सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, योजनाओं से लाभान्वित महिलाएं एवं बालिकाएं उपस्थित रहीं।

जीवन ज्योति फाउंडेशन के तत्वाधान में नेत्र ज्योति चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

-पूर्व सांसद डॉ. मनोज राजोरिया के जन्म दिवस के अवसर पर खेड़ी हैवत में आयोजित किया गया

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। जीवन ज्योति फाउंडेशन के तत्वाधान में नेत्र ज्योति चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें वरिष्ठ चिकित्सक रेखा गोयल के द्वारा सेवाएं दी गई। शिविर में 122 मरीजों को नेत्र चिकित्सा एवं परामर्श दिया गया। 24 रोगियों को मोतियाबिंद से ग्रसित पाया गया। दो रोगियों को काला पानी जैसी गंभीर बीमारी से ग्रसित पाया गया। जिला चिकित्सालय में कार्यरत वरिष्ठ चिकित्सक रेखा गोयल ने सर्दी के मौसम में आंखों के बचाव के लिए उपाय भी बताएं एवं मोतियाबिंद रोगियों को चिन्हित करके 6 जनवरी को जिला चिकित्सालय में मोतियाबिंद के ऑपरेशन होंगे। टीम से जुड़े जनक अध्यापक एवं जयपाल सिंह ने बताया संस्था का उद्देश्य प्रत्येक पंचायत स्तर पर नेत्र चिकित्सा कैंप लगाकर जिले को मोतियाबिंद मुक्त करना एवं नेत्र संबंधित बीमारियों से आमजन को सजग करना है। इस शिविर में संस्था के संस्थापक ओमी भैया खेडी हैवत,सदस्य रमेश चंद्र सिंघल, हरीश अध्यापक, ओमप्रकाश पीटीआई, हरि मोहन, सत्य प्रकाश आदि टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

अधीक्षण अभियंता किशन लाल मीणा ने महुवा नगर पालिका लीगेसी वेस्ट रिमेडिशन साइड का औचक निरीक्षण

महुवा (रॉयल पत्रिका)। महुवा नगर पालिका में शुक्रवार को अधीक्षण अभियंता किशन लाल मीना नगर निगम जयपुर द्वारा लीगेसी वेस्ट रिमेडिशन साइट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधीक्षण अभियंता ने मौके का मुआवना करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कार्य की सराहना की गौरतलब है कि लेगसी वेस्ट रिमेडिएशन का कार्य MKG फर्म के द्वारा किया गया है रिमेडियेशन के बाद प्रात INERT STORAGE C&D वेस्ट,SOIL और RDF को मूल्याकन किया गया। इस अवसर पर महुवा नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी राजेश मीना, कनिष्ठ अभियंता पृथ्वीराज गुर्जर,SBM अभियंता हेमराज बैरवा मौजूद रहे।

प्रदेश सरकार के 02 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में आयोजित हुआ महिला सम्मेलन

-चूरु विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, सीईओ श्वेता कोचर, बसंत शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों ने की शिरकत, -लाभार्थियों को प्रदान किए श्रवण यंत्र, राजीविका महिलाओं को प्रदान कि ऋण के चैक, दिव्यांगों को वितरित की स्कूटी, मनाया जन्मोत्सव

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में शुक्रवार को जिला मुख्यालय स्थित मातुश्री कमला गोयनका टाउन हॉल में महिला सम्मेलन का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, सीईओ श्वेता कोचर, बसंत शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों ने शिरकत की तथा कार्यक्रम में दिव्यांगों को श्रवण यंत्र व स्कूटी वितरित की। इसी के साथ राजीविका महिलाओं को ऋण वितरण के चैक प्रदान किए तथा केक काटकर लाडो बिटिया का जन्मोत्सव मनाया। जिला स्तरीय कार्यक्रम लाभार्थियों को वितरित किए श्रवण यंत्र व स्कूटी, राजीविका महिलाओं को ऋण के चेक, मनाया लाडो बिटिया का जन्मोत्सव इस अवसर पर अतिथियों ने बबलू कस्वां, मुकेश कुमार, तनवीर, पवन कुमार आदि दिव्यांगों को श्रवण यंत्र तथा कुल 15 दिव्यांगों को स्कूटी व बिमला, दीपचंद व प्रेम चंद को मुख्यमंत्री सहयोग उपहार योजना अंतर्गत चैक प्रदान किया। इसी के साथ शिव एसएचजी की ममता, सांई बाबा एसएचजी की बबीता कंवर, शक्ति एसएचजी की चांद कंवर, श्रीश्यामजी एसएचजी की प्रेम कुमारी व एकता एसएचजी की सुमन कंवर को ऋण के चेक प्रदान किए। इसी क्रम में लाडो प्रोत्साहन योजना अंतर्गत केक काटकर 04 लाडो बिटिया का जन्मोत्सव मनाया। इस दौरान निवर्तमान जिला प्रमुख वंदना आर्य, निवर्तमान उप जिला प्रमुख महेन्द्र न्यौल, सीईओ श्वेता कोचर, एसीईओ दुर्गा ढाका, अभिषेक चोटिया, विमला गढ़वाल, ओम सारस्वत, सुरेश सारस्वत, भास्कर शर्मा, सत्तार खान, श्रीराम पीपलवा, मोहन गढ़वाल, नारायण बेनीवाल, दीनदयाल सैनी, नरेंद्र काछवाल, अख्तर खान, मोहन गढ़वाल, नारायण बेनीवाल, सत्येंद्र, नौरंग वर्मा, सुशील लाटा, नरेंद्र सैनी सहित अन्य मौजूद रहे। संचालन रवि दाधीच ने किया।

यूपीएससी ईएसई-2025 में 147वीं रैंक प्राप्त कर घर लौटे संजय बारवाल का रेलवे स्टेशन पर हुआ भव्य स्वागत

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। संघ लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा (UPSC ESE)-2025 में सवाई माधोपुर एक युवा ने बाजी मारी है। सवाई माधोपुर जिले के निंदरदा गांव निवासी संजय बारवाल ने इस एग्जाम में 147वीं ऑल इंडिया रैंक प्राप्त की। जिसके बाद आज पहली बार उनके घर आने पर रेलवे स्टेशन पर नागरिकों व परिजनों ने जोरदार स्वागत किया गया। रेलवे स्टेशन पर जैसे ही संजय बारवाल पहुंचे, वहां उपस्थित ग्रामीणों, युवाओं एवं शुभचिंतकों ने फूल-मालाओं से लादकर, बैंड-बाजों से उनका अभिनंदन किया।

दूसरे प्रयास में हासिल की सफलता-

संजय बारवाल ने यह सफलता अपने दूसरे प्रयास में हासिल की है। उन्होंने मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNIT), जयपुर से साल 2023 में बी-टेक किया था। संजय ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवारजनों और मार्गदर्शकों को दिया। संजय ने कहा कि "सफलता के लिए निरंतर परिश्रम, आत्मविश्वास और परिवार का सहयोग अत्यंत आवश्यक होता है। असफलता से घबराए बिना लक्ष्य पर केंद्रित रहना ही सफलता की कुंजी है।" इस उपलब्धि पर उनके पिता रामराज मीणा, माता धोली मीणा, ताऊजी लड् लाल मीणा एवं ताईजी धोली मीणा को भी लोगों ने बधाइयां दीं। ग्रामीणों ने कहा कि निंदरदा गांव की मिट्टी से निकलकर राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में चयन होना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। रेलवे स्टेशन से गांव तक जुलूस के रूप में स्वागत यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। युवाओं में संजय की सफलता को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला और उन्होंने इसे आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

पेचवर्क के नाम पर खानापूर्ति का आरोप, कच्ची मिट्टी पर डामर डालने से ग्रामीणों में रोष

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। क्षेत्र के जमालपुर रोड पर चल रहे सड़क पेचवर्क कार्य में गुणवत्ता की कमी को लेकर ग्रामीणों ने नाराजगी जताई है और विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा काम में भारी लापरवाही बरती जा रही है। ग्रामीण रामधार, बाबू, गोविन्द, जगन्नाथ, मानसिंह और अन्य लोगों ने बताया कि पिछले 10-15 सालों से यहां सड़क का कोई काम नहीं हुआ था। अब जब काम शुरू हुआ, तो वह भी केवल खानापूर्ति लग रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार ने गड्डों में गिट्टी डालने के बजाय कच्ची सड़क और कंकरीली मिट्टी के ऊपर ही डामर बिछा दिया। उनका कहना है कि कई जगह गड्ढे ऐसे ही छोड़ दिए गए हैं। लोगों ने आशंका जताई है कि बिना सही बेस के बनी यह सड़क कुछ दिन भी नहीं टिक पाएगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस कार्य की गुणवत्ता की जांच करवाई जाए और सही तरीके से सड़क का निर्माण हो।

सामाजिक बुराईयो को दूर करती है तालीम- मौलाना साजिद रिज़वी

-दरगाह रोशन अली शाह रहमतुल्लाह अलैह का 128 वां उर्स शुरू

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। उदयमन्दिर आसन स्थित हजरत रोशन अली शाह दुर्वेश रहमतुल्लाह अलैय के 128 वें उर्स के अन्तर्गत रात्रि में रोशन दुर्वेश चौक में इण्डियन जैन्टलमेन ग्रुप की ओर से तकरीर (धार्मिक व्याख्यान) एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हुआ। प्रतापन नगर फैजे आम मस्जिद के पेश इमाम मौलाना साजिद हुसैन रिज़वी ने 'इस्लाहे मआशरा' (समाज सुधार) विषय पर कहा कि हमें दीनी और दुनियावी तालीम (धार्मिक व सांसारिक शिक्षा) का पैगाम देते हुए समाज में लोगों को खासकर युवाओं को नशे एवं सामाजिक बुराईयों से दूर रहने के लिए जागरूक करना होगा। उदयमन्दिर मस्जिद के पेश इमाम मौलाना मोहम्मद इमरान मिस्बाही ने कहा कि हमें बच्चों को नमाज के साथ-साथ, लोगों की भलाई, आपसी मुहब्बत व मदरसे की तालीम के साथ ही हिन्दी, इंग्लिश, कम्प्यूटर और तरक्की के क्षेत्र के महारथी बनाना होगा। दरगाह कमेटी अध्यक्ष मोहम्मद रमजान कुरैशी (भूरजी) ने कहा कि कार्यक्रम में नात खां अमान व हाफिज रेहान ने खुबसूरत नात पढी। इस मौके पर मदरसा रोशन इस्लामिया में पढने वाले 45 बच्चे व बच्चियों ने इस्लामिक सवाल-जवाब व नात शरीफ का बेहतरीन प्रदर्शन किया। मदरसे, स्कूल व कॉलेज में साल भर सराहनीय प्रदर्शन करने वाले, सरकारी नौकरी में चयनित तथा कार्यक्रम के अतिथियों, सहयोगियों सहित कुल 101 लोगों को मोमेंटो से सम्मानित किया गया। दरगाह कमेटी सचिव नईम मोहम्मद भाटी ने बताया कि प्रोग्राम में पीर नजमुद्दीन सुलेमानी चिश्ती अल फारूकी, कौम अब्बासियान के सदर अब्दुल रशीद अब्बासी, सचिव डॉ. निजामुद्दीन, उपाध्यक्ष अनवर अब्बासी, निजाम भाटी, गुलाम मोहम्मद (नगर निगम), पार्षद शेर मोहम्मद, पार्षद इरफान बेली, पार्षद फिरदौश, पार्षद प्रतिनिधि वसीम मामा, राजस्थान पुलिस के कम्पनी कमान्डर रोशन अब्बासी, सामूहिक शादियों के संयोजक बबलू सिराजुद्दीन, मदरसा सहप्रभारी अली मोहम्मद बेलिम, समाजसेवी लालजी, इण्डियन जैन्टलमेन ग्रुप के सदस्य सिकन्दर पंवार, सिकंदर भाटी, नवाज लंगा, जाकिर हुसैन, मौलाना जीशान, अकरम भाटी, रमजान पंवार, शहाबुद्दीन सैद, निसार बैलिम, निजामुद्दीन कुरैशी, बुंदू, आशिक मुल्लाजी, रमजान पवार, असलम भाटी, इकरामुद्दीन पवार तथा दरगाह के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण सहित अब्बासी समाज के बुजुर्ग, युवा, महिलाएं एवं आमजन मौजूद थे। अन्त में सलातोसलाम के बाद फातेहाखानी हुई और सभी को शिरनी बांटी गई। मुल्क में अम्नोशान्ति, खुशहाली व भाईचारे की दुआ कराई गई। संचालन मौलाना इमरान मिस्बाही व एडवोकेट लतीफ अब्बासी ने किया।

करौली में "आपकी पूँजी, आपका अधिकार" जिला स्तरीय जागरूकता एवं सहायता शिविर का आयोजन

हनीस खान कुतकपुर

करौली (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार एवं भारतीय रिज़र्व बैंक के मार्गदर्शन में "आपकी पूँजी, आपका अधिकार" अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को करौली में जिला स्तरीय जागरूकता एवं सहायता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बैंकों, बीमा कंपनियों, निवेश एवं अन्य वित्तीय संस्थानों में वर्षों से अनक्लेम्ड (अदावा न की गई) पड़ी धनराशि को उसके वास्तविक हक़दारों तक पहुँचाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि करोली जिला पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बैंकिंग एवं प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुई। कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रमुख, बैंक ऑफ बड़ौदा एवं एसएलबीसी प्रतिनिधि भरतपुर क्षेत्र गोपाल लाल मीणा, भारतीय रिज़र्व बैंक की सहायक महाप्रबंधक (AGM) अनीता शर्मा, क्षेत्रीय प्रमुख, स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, बच्चन सिंह मीणा नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक (DDM) मयंक शर्मा, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, करौली, शिशिर कुमार जॉइंट डायरेक्टर, संखिकी विभाग मुकेश कुमार, अंकुर श्याम वास्तव, उप क्षेत्रीय प्रमुख, बैंक ऑफ़ बरोडा, भरतपुर क्षेत्र, लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (LDM) करौली विजय कुमार पाल, तथा विभिन्न बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि करोली जिला पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल ने अपने संबोधन में कहा कि यह अभियान आम नागरिकों के अधिकारों से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने पुराने खातों, बीमा पॉलिसियों एवं निवेशों की जानकारी समय-समय पर अपडेट रखें और इस शिविर का अधिकतम लाभ उठाएँ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय प्रमुख, बैंक ऑफ बड़ौदा, भरतपुर क्षेत्र गोपाल लाल मीणा ने कहा कि "आपकी पूँजी, आपका अधिकार" अभियान आम नागरिकों को उनकी वर्षों से बैंकों में निष्क्रिय पड़ी राशि से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि बैंक ऑफ बड़ौदा सहित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, अनक्लेम्ड जमा राशि को उसके वास्तविक हकदारों तक पहुँचाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं। इस प्रकार की पहल से ग्राहकों का बैंकिंग प्रणाली में विश्वास बढ़ता है तथा वित्तीय समावेशन को मजबूती मिलती है। उन्होंने सभी बैंक शाखाओं से आग्रह किया कि वे ऐसे खातों की पहचान कर ग्राहकों को समय पर जानकारी दें और इस अभियान को जन-जन तक पहुँचाने में सक्रिय भूमिका निभाएँ। मीणाजी ने बताया की, कार्यक्रम के अंतर्गत "आपकी पूँजी, आपका अधिकार" अभियान के तहत चिन्हित 49 लाभार्थियों को कुल ₹1.54 करोड़ (रुपये एक करोड़ चौवन लाख) की अनक्लेम्ड राशि के प्रमाण-पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज प्रदान किए गए। लाभार्थियों ने वर्षों से लंबित अपनी राशि प्राप्त कर संतोष एवं प्रसन्नता व्यक्त की। साथ ही, कार्यक्रम स्थल पर सभी बैंकों द्वारा अपने-अपने स्टॉल लगाकर ग्राहकों एवं लाभार्थियों को आवश्यक जानकारी, मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान की गई, जिससे कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं जन-उपयोगी सिद्ध हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रमुख, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया बच्चन सिंह मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि "आपकी पूँजी, आपका अधिकार" अभियान आम नागरिकों को उनके वैध वित्तीय अधिकारों से जोड़ने की एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा अनक्लेम्ड डिपॉजिट की पहचान कर उसके वास्तविक लाभार्थियों तक राशि पहुँचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा. उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल से न केवल ग्राहकों को आर्थिक संबल मिलता है, बल्कि बैंकिंग प्रणाली में पारदर्शिता और जन-विश्वास भी सुदृढ़ होता है। मीणा ने सभी बैंकों से आग्रह किया कि वे इस अभियान को मिशन मोड में अपनाकर अधिक से अधिक नागरिकों को इसका लाभ दिलाएँ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक की सहायक महाप्रबंधक (AGM) अनीता शर्मा ने ग्राहकों से आग्रह किया कि वे अपने बैंक खातों में नियमित रूप से लेन-देन करें, ताकि खाते निष्क्रिय न हों। उन्होंने डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते उपयोग को देखते हुए ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव हेतु सतर्कता, OTP एवं गोपनीय जानकारी साझा न करने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने बताया कि "आपकी पूँजी, आपका अधिकार" अभियान के माध्यम से आरबीआई, बैंकों के साथ मिलकर अनक्लेम्ड राशि को उसके वास्तविक हकदारों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अंत में उप क्षेत्रीय प्रमुख, बैंक ऑफ बड़ौदा अंकुर श्याम वास्तव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने सभी अतिथियों, बैंक अधिकारियों, ग्राहकों, लाभार्थियों एवं आयोजन से जुड़े समस्त कर्मचारियों व स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया।

एसपी और डीटीओ ने वाहन चालकों से संवाद स्थापित कर कहा– सावधानी ही सबसे बड़ी सुरक्षा

-कृषि उपज मंडी में सड़क सुरक्षा कार्यक्रम, ट्रैक्टर-ट्रॉली पर लगाए सेफ्टी रिफ्लेक्टर

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। वर्तमान राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले में आयोजित 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत शनिवार 20 दिसंबर को दसवें दिन कृषि उपज मंडी परिसर, बारां में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों एवं ट्रैक्टर-ट्रॉली चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करना तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम में जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु, जिला परिवहन अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा, सीएमएचओ डॉ. संजीव सक्सैना तथा सहायक जनसंपर्क अधिकारी मोहन लाल ने संयुक्त रूप से ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सेफ्टी रिफ्लेक्टर लगाए। अधिकारियों ने बताया कि रात्रि के समय या कम रोशनी में सेफ्टी

रिफ्लेक्टर दुर्घटनाओं को कम करने में अत्यंत सहायक होते हैं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में चलने वाले कृषि वाहनों के लिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक एवं जिला परिवहन अधिकारी ने ट्रैक्टर-ट्रॉली चालकों व किसानों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी। उन्होंने निर्धारित गति सीमा का पालन करने, ओवरलोडिंग से बचने, ट्रॉली में रिफ्लेक्टर एवं संकेतक लगाने, रात में लाइट की उचित व्यवस्था रखने तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने की अपील की। साथ ही यह भी बताया गया कि छोटी-छोटी सावधानियाँ बड़े हादसों को रोक सकती हैं। कार्यक्रम में जिला सड़क सुरक्षा समन्वयक हुक्मचंद मीणा सहित परिवहन, पुलिस एवं मंडी प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी तथा किसान व वाहन चालक उपस्थित रहे। अंत में उपस्थित नागरिकों से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया।

युवा कौशल विकास व संस्कृति के साथ आगे बढ़ते हुए विकसित समाज का निर्माण करें- सहारण

-जिला मुख्यालय पर आयोजित हुआ जिला स्तरीय युवा महोत्सव, चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, सीईओ श्वेता कोचर, बसंत शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों ने की शिरकत, विद्यार्थियों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित राजकीय लोहिया महाविद्यालय में शनिवार को जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, सीईओ श्वेता कोचर, बसंत शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों ने शिरकत की। अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान संबोधित करते हुए विधायक सहारण ने कहा कि युवा महोत्सव युवाओं की प्रतिभा को निखारने और कला व कौशल को बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। ऐसे कार्यक्रम हमारे युवाओं को मंच प्रदान करते हैं और उन्हें आगे बढ़ने के लिए समुचित अवसर प्रदान करते हैं। हमारे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सोच है कि युवाओं को आगे बढ़ने के लिए समुचित अवसर मिलें और सुदृढ़ भविष्य सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए युवा आगे आएं और कौशल विकास व संस्कृति के साथ आगे बढ़ते हुए विकसित समाज का निर्माण करें।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि युवाओं में अपार ऊर्जा और रचनात्मकता होती है। युवा महोत्सव जैसे कार्यक्रम युवाओं की छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने का कार्य करते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हुए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें और समाज व राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।उन्होंने कहा कि युवा महोत्सव युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ-साथ उनकी रचनात्मकता, सांस्कृतिक चेतना एवं आत्मविश्वास को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम है। युवा अपने कौशल का अधिकतम उपयोग करें और सांस्कृतिक विधाओं में उत्कृष्टता हासिल करें। उन्होंने कहा कि युवा शिक्षा के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में रूचि रखते हुए आगे बढ़ें और संभाग व राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में भागीदारी से जिले का नाम रोशन करें। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों और युवाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। भाजपा जिला अध्यक्ष बसन्त शर्मा एवं संतोष महर्षि ने संबोधित किया। इस दौरान निर्वतमान उप जिला प्रमुख महेन्द्र न्यौल, उपनिदेशक गोविंद सिंह राठौड़, अभिषेक चोटिया, भास्कर शर्मा, सीडीईओ संतोष महर्षि, सुमेर सिंह, कमल शर्मा, सुरेश सारस्वत, डीईओ प्रारंभिक ओमप्रकाश प्रजापत सहित अन्य उपस्थित रहे। संचालन मुकुल भाटी, प्रमेन्द्र शर्मा व बजरंग हर्षवाल ने किया।

स्वयंसेवकों ने श्मशान घाट में किया श्रमदान

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने आज आदर्श नगर स्थित श्मशान घाट में श्रमदान किया। स्वयंसेवक सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि संघ के पूर्व जिला कार्यवाह छैलबिहारी के निधन पर आज उनके अंतिम संस्कार से पूर्व श्मशान घाट में व्याप्त गंदगी एवं बड़े-बड़े पेड़ पौधों एवं झाड़ियों को जेसीबी से हटाकर साफ सफाई की और श्मशान घाट को पूर्ण रूप से स्वच्छ किया। यह कार्य करकर स्वयंसेवकों ने सेवा के क्षेत्र में एक अनोखा उदाहरण प्रस्तुत किया है।

इंडिया स्किल प्रतियोगिता परीक्षा रविवार को

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग, राजस्थान के निर्देशानुसार रविवार, 21 दिसंबर को सवेरे 11 से 12 बजे तक जिला मुख्यालय स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में इण्डिया स्किल प्रतियोगिता-2025 की जिला स्तरीय प्रथम चरण की परीक्षा आयोजित की जाएगी। उपनिदेशक नेहा सैनी ने बताया कि यह प्रतियोगिता परीक्षा जिले में 23 कौशल क्षेत्रों में आयोजित होगी तथा परीक्षा में जिला स्तर पर स्किलवाइज चयनित अभ्यर्थियों को राज्य स्तरीय द्वितीय चरण की परीक्षा में भाग लेने के लिए अवसर मिलेगा।

शहरी समस्या समाधान शिविर में संभागीय आयुक्त का निरीक्षण

बारां (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शहरी नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं विभिन्न नगरीय सेवाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर परिषद बारां द्वारा 16 से 24 दिसम्बर 2025 तक शहरी समस्या समाधान शिविर-2025 का आयोजन नगर परिषद धर्मशाला, स्टेशन रोड, बारां में किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को भी शिविर का आयोजन किया गया, जिसका संभागीय आयुक्त अनिल कुमार अग्रवाल द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संभागीय आयुक्त ने शिविर की व्यवस्थाओं एवं सफल संचालन की सराहना करते हुए आमजन को अधिकाधिक लाभ पहुँचाने के लिए शिविर के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए। नगर परिषद आयुक्त भुनेश मीणा ने बताया कि शिविर के दौरान आमजन की सड़क, स्ट्रीट लाइट, पट्टा, भवन निर्माण स्वीकृति, प्रधानमंत्री आवास योजना, नगरीय कर, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित विभिन्न जनसमस्याओं का मौके पर ही त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचकर राज्य सरकार की जनकल्याणकारी पहल का लाभ उठा रहे है।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष छगन माहुर का बारां आगमन, कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष छगन माहुर के प्रथम बार बारां आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। शहर अध्यक्ष ओ.पी. पारेता की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने नेशनल हाईवे पर पहुंचकर उनका स्वागत किया। इसके पश्चात कोटा रोड स्थित सांसद कार्यालय पर स्वागत समारोह आयोजित किया गया। स्वागत समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिकरवार, बारां-अटरु विधायक राधेश्याम बैरवा, पूर्व जिलाध्यक्ष जगदीश मीणा, शहर अध्यक्ष ओ.पी. पारेता, उप जिला प्रमुख छीतरलाल मेघवाल सहित वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष छगन माहुर ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन में दायित्व कभी छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि व्यक्ति का राजनीतिक अनुभव, विभिन्न दायित्वों के निर्वहन की क्षमता और कर्म ही उसकी भूमिका तय करते हैं। उन्होंने कहा कि विचार के लिए कार्य करना ईश्वरीय कार्य है और प्रत्येक कार्यकर्ता को "तेरा वैभव अमर रहे माँ, हम दिन चार रहे न रहें" के भाव के साथ संगठन एवं राष्ट्रहित में निरंतर समर्पित भाव से कार्य करना चाहिए। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया

एवं सांसद दुष्यन्त सिंह द्वारा बारां जिले और भाजपा संगठन के लिए किए गए समर्पणपूर्ण कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इन वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन एवं योगदान कार्यकर्ताओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहा है, जिसके बल पर जिले में संगठन लगातार मजबूत हुआ है। भाजपा जिला प्रवक्ता योगेश राजोरा जिला मीडिया संयोजक सचिन सनाढ्य ने जानकारी देते हुए बताया की समारोह मे माहुर ने कहा कि वे अपने नव दायित्व के साथ संगठन और कार्यकर्ताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर सक्रिय रहेंगे।

ये रहे उपस्थित-

कार्यक्रम में जिला महामंत्री लक्ष्मीनारायण केरवालिया, जिला उपाध्यक्ष निर्मल माथोडिया, जयेश गालव, गोविंद सिंह चौहान, मुकेश केरवालिया, देवेंद्र शर्मा, रूपसिंह लोधा, संभागीय आईटी सहसंयोजक जितेंद्र सिंह,कोयला मंडल अध्यक्ष देवेंद्र पारेता, जिला मंत्री श्रीमती उषा कुशवाह,उपेंद्र शर्मा, विष्णु गुप्ता, सह कोषाध्यक्ष बजरंग लाल मालव, प्रकोष्ठ संयोजक कैलाश शर्मा,हरीश शर्मा, सोशल मीडिया जिला संयोजक रोहित नायक, सह संयोजक श्वेता अदलखा, मीडिया सह संयोजक भगवती बैरवा, रामसागर मेघवाल, आईटी जिला संयोजक रितिक सुमन, सह संयोजक प्रवीण गालव, जिला प्रवक्ता गिरिराज नागर, कार्यालय प्रमुख धनराज चोरसिया, मंत्री धीरेंद्र नागर, सहित जगदीश मेघवाल, महावीर मीणा, डॉ महेश यादव,हेमन्त मीणा, रजपाली, निशांत तिवारी, युवा मोर्चा शहर अध्यक्ष रितेश पंजाबी, योगेश गोढ़ द्वारका प्रसाद प्रजापति, धर्मेंद्र भार्गव, सत्यनारायण गुर्जर, हंसु गुर्जर, सुनील यादव,शिवराज महावर, रमेश मीणा,हरिओम सुमन, चोथमल नागर, मुकेश गौतम, विजेंद्र नागर, वंश प्रताप हाड़ा, मनोज सुवालका सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

परिवार गया था किसी जरूरी काम से घर से बाहर, पीछे से चोरों ने लगाई लाखों की चपत

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। शहर में लगातार हो रही चोरी की वारदात ने आमजन में असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। दो दिन में हुई लगातार चोरियों से पुलिस की रात्रि गश्त पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ताजा मामला शहरिया बास, वार्ड संख्या 13 का है। जहां चोरों ने एक मकान को निशाना बनाकर लाखों की चपत लगा दी। जानकारी के अनुसार नवाब खान पुत्र असगर खां के घर अज्ञात चोरों ने धावा बोलते हुए करीब दो किलो चांदी एवं 25 भरी सोने के आभूषणों सहित 30 हजार की नगदी पर हाथ साफ कर दिया। पीड़िता शहनाज खान ने बताया कि रात्रि के समय उनकी पुत्री की डिलीवरी होने के कारण पूरा परिवार अस्पताल गया हुआ था। पीछे से उनके घर का मुख्य द्वारा तोड़कर अंदर संदूक में रखे चांदी और सोने के जेवर और नगदी पार कर ले गए। यकायक हुई चोरी की इस घटना से पीड़ित परिवार गहरे सदमे में है। वारदात के बाद स्थानीय गणमान्य नागरिक

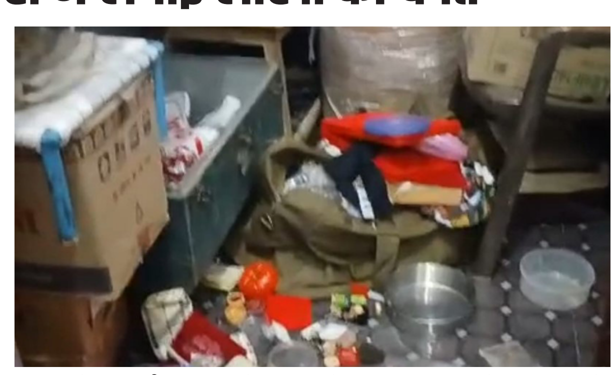

नगर पालिका पुर्व अध्यक्ष होसियार अली खां, कांग्रेस नेता लियाकत अली, सामाजिक कार्यकर्ता मो० मुश्ताक खान कायमखानी, दलित नेता कालूराम गेनाणा, नगर पालिका उपाध्यक्ष मुकेश खिंची आदी ने शहर में बढ़ती चोरियों को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं और बताया की क्षेत्र में लगातार चोरीया हो रही है पुलिस प्रशासन को चाहिए की वह चोरों के खिलाफ सख्त एक्शन ले और चोरो को पकड़ने के लिए एक अभियान चलाया जाए जिसमें जनता का भी सहयोग अति आवश्यक रूप से लिया जाना चाहिए ताकी चोरो पर पुरी तरह से अंकुश लगाया जा सके इसके अलावा बाहरी किस्म के अंजाम लोगों और महिलाओं पर भी पैनी नजर रखनी चाहिए। इस संबंध में सीओ जितेंद्र सिंह चारण ने बताया कि चोरी की घटना को गंभीरता से लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों का गठन किया जा रहा है तथा शहर में रात्रि गश्त को और अधिक सख्त एवं प्रभावी किया जाएगा।

एडवोकेट सरवर खान सुपुत्र मनजीत खान कायमखानी का राजस्थान न्यायिक सेवा (R.J.S.) में चयन हुआ

डीडवाना (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा आयोजित सीधी भर्ती परीक्षा-2025 के आज ही घोषित अंतिम नतीजों में 19वीं रैंक प्राप्त कर आप सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट के रूप में न्याय सेवा में योगदान देने जा रहे हैं। भारती विद्यापीठ, पुणे (महाराष्ट्र) से विधि स्नातक (LL.B.) तथा हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) से कॉरपोरेट लॉ में विधि स्नातकोत्तर (LL.M.) की उत्कृष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि के साथ उच्च न्यायालय जोधपुर में प्रैक्टिस लिटिगेशन के दौरान आपकी रिसर्च और ड्राफ्टिंग में भूमिका सदैव प्रभावशाली रही है। दो बार राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (UGC-NET) एवं जूनियर रिसर्च फेलोशिप (JRF) में चयन के उपरांत, राजस्थान न्यायिक सेवा (RJS) जैसी अत्यंत कठिन परीक्षा में सफलता आपकी मेहनत, लगन और प्रतिभा का सशक्त प्रमाण है।

राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय महिला सम्मेलन का भव्य आयोजन

-लाभार्थियों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से विभिन्न योजनाओं की राशि हस्तांतरित

-स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सौंपे चैक, बाजरे के उत्पाद लांच

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। वर्तमान सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में "2 साल : नव उत्थान-नई पहचान, बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान" की श्रृंखला में जिला स्तरीय महिला सम्मेलन का आयोजन शुक्रवार को रामसिंहपुरा स्थित राजीव गांधी क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्राहलय के ऑडिटोरियम में हुआ। जिसमें माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन कार्यक्रम का धौलपुर से सीधा प्रसारण किया गया। इस अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभिन्न पेंशन योजनाओं में 91 लाख लाभार्थियों को 1100 करोड़, पालनहार योजना के 5.95 लाख लाभार्थियों को 103 करोड़, मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृति योजना में 5 हजार विद्यार्थियों को 2.5 करोड़, 5 हजार लखपति दीदियों को 100 करोड़ की ऋण सहायता, पूर्व मैट्रिक छात्रवृति योजना में 1.55 लाख छात्रों को 15 करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से हस्तान्तरित किए। वहीं लखपति दीदियों, कृषि सखियों, पशु सखियों को टैबलेट वितरण किया।

जिले के लाभाकारी सिद्ध हुआ महिला सम्मेलन-

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा सवाई माधोपुर जिले में विभिन्न पेंशन योजनाओं में 1 लाख 64 हजार 977 लाभार्थियों को 20.62 करोड़, पालनहार योजना अन्तर्गत 1.98 करोड़ रुपये तथा अनुसूचित जाति पूर्व मेट्रिक छात्रवृत्ति के लिए 2 हजार 168 छात्र-छात्राओं को 22 लाख 67 हजार रुपये एवं अनुसूचित जनजाति पूर्व मेट्रिक छात्रवृति के लिए 944 छात्र-छात्राओं को 10 लाख 17 हजार 500 रुपये डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित किए गए। जिला स्तरीय कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा महिला निधि बैंक से लखपति दीदी और समूह की महिलाओं को एक करोड़ रुपये का लोन वितरण किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र एवं राजीविका महिलाओं के समूह द्वारा मोटे अनाज बाजरे से बनाये जा रहे लड्, बिस्कुट, मठरी, पापड़, आचार, साबुन, खिलौने आदि उत्पादों को जिला कलक्टर काना राम एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा लांच किया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी लाभांवित-

अतिथियों द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के लाभार्थी अनाया, मेहर, फलक नाज, तस्कीन, जेबा नाज को श्रवण यंत्र, मुख्यमंत्री एकल नारी पेंशन योजना के तहत निर्मला शर्मा को 1250 रुपये मासिक, पालनहार योजना में हेमलता शर्मा को 3 हजार रुपये मासिक एवं मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत सुरेन्द्र सैनी को 31 हजार रुपये के चैक प्रदान किए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा रचना सैनी, कान्ता देवी, शान्ति आदि लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा उपस्थित लोगों को विभागीय साहित्य वितरण कर सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। लाभ प्राप्त करने वाली महिलाओं, छात्राओं एवं लखपति दीदियों ने राज्य सरकार की योजनाओं से मिले प्रत्यक्ष सहयोग पर आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

विधिक जागरूकता मोबाइल वैन को दिखाई हरी झंडी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष (जिला एवं सत्र न्यायाधीश) सोनिका पुरोहित के मार्गदर्शन में आमजन को विधिक अधिकारों एवं लोक अदालत की जानकारी देने हेतु मोबाइल वैन के माध्यम से व्यापक प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को विशिष्ट न्यायाधीश (एससी/एसटी मामलात) योगिता परीक एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव डॉ शरद कुमार व्यास ने सचल विधिक सेवा केन्द्र एवं लोक अदालत मोबाइल वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्राधिकरण सचिव डॉ. शरद कुमार व्यास ने बताया कि यह मोबाइल वैन 14 जनवरी, 2026 तक चूरू जिले में निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार भ्रमण करेगी। चूरू में 01 जनवरी, 2026 तक यह वैन गांव–गांव एवं ढाणी–ढाणी जाकर आमजन को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की गतिविधियों एवं विभिन्न कानूनों के संबंध में

जानकारी उपलब्ध कराएगी तथा इसमें डेप्यूट पीएलवी आमजन को विधिक जानकारी देंगे। उन्होंने बताया कि मोबाइल वैन के माध्यम से बाल विवाह निषेध अभियान, न्याय आपके द्वार अभियान, दिनांक 21 दिसंबर, 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत, नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, पीड़ित प्रतिकर योजना, बाल पीड़ितों हेतु मुआवजा, मोबाइल लोक अदालत, नालसा योजना सहित अन्य विधिक प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। साथ ही लोक अदालत में रखे जाने वाले प्रकरणों एवं उनकी प्रक्रिया को समझाकर पक्षकारों को राजीनामा योग्य मामलों के त्वरित निस्तारण हेतु प्रेरित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त विधिक साक्षरता शिविरों के माध्यम से आमजन को बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए उसकी रोकथाम हेतु कार्यरत तंत्र के बारे में भी अवगत कराया जाएगा। निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी प्रदान करते हुए जिला मुख्यालय पर संचालित लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के संबंध में भी विस्तार से बताया जाएगा। डॉ. व्यास ने बताया कि शनिवार को मोबाइल वैन के साथ पीएलवी द्वारा ढाढ़र, लाखाऊ नुवां एवं ढाणी लक्ष्मणसिंहपुरा आदि गांवों में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित कर पेम्फलेट्स के माध्यम से प्रचार–प्रसार किया गया।

ग्रामीण समस्या समाधान शिविर बना आमजन के लिए त्वरित राहत का माध्यम

पाली (रॉयल पत्रिका) । पंचायत समिति रानी की खौड ग्राम पंचायत में आयोजित ग्रामीण समस्या समाधान शिविर ने यह सिद्ध कर दिया कि संवेदनशील प्रशासन से आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान सरल एवं त्वरित रूप से संभव है। शुक्रवार को ग्राम खौड निवासी खरताराम नारिंग द्वारा अपनी माताजी स्वर्गीय किकी नरिंगराम जी के मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए शिविर में आवेदन प्रस्तुत किया गया। सामान्यतः इस प्रक्रिया में समय लगता है, परंतु शिविर के माध्यम से प्रशासन ने त्वरित कार्यवाही करते हुए उसी दिन मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार कर आवेदक को प्रदान किया। तहसीलदार मोहनलाल द्वारा मौके पर ही प्रमाण पत्र वितरित किया गया, जिससे आवेदक को विभिन्न शासकीय एवं निजी कार्यों में हो रही असुविधा से तुरंत राहत मिली। प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर खरताराम नारिंग चौधरी ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर जिले भर के सरकारी कार्यालयों में चला सफाई अभियान

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मंगलवार को जिले भर के सरकारी दफ्तरों की तस्वीर बदली नजर आई। अधिकारियों और कर्मचारियों ने सुबह एक घंटे तक हाथों में झाड़ू थामी और अपने कार्यालय परिसरों की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। मंगलवार सुबह कलेक्ट्रेट से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक के कार्यालयों में 'स्वच्छता अभियान' शुरू हो गया।

कलेक्ट्रेट में एडीएम ने संभाली कमान-

कलेक्ट्रेट परिसर में अतिरिक्त जिला कलक्टर रामकिशोर मीणा ने अभियान की अगुवाई की। उनकी देखरेख में कलेक्ट्रेट के अधिकारियों और कर्मचारियों ने परिसर में बिखरे कचरे को हटाया, कोनों से जाले साफ किए और अव्यवस्थित फाइलों को तरीके से जमाया। इस दौरान अतिरिक्ति जिला कलक्टीर ने कहा कि स्वच्छ वातावरण में ही सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिससे कार्यक्षमता बढ़ती है। जिला मुख्यालय के साथ ही ब्लॉक स्तरीय और ग्राम पंचायत स्तरीय कार्यालयों में भी सफाई अभियान चला। इसमें कर्मचारियों के साथ-साथ अधिकारियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

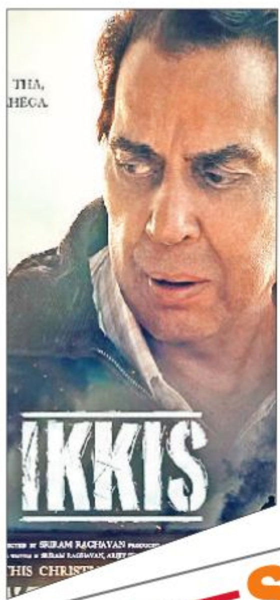

वॉर ड्रामा फिल्म इक्कीस में दिखी धर्मेंद्र की झलक

मुंबई। अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा की फिल्म 'इक्कीस' अब इस साल रिलीज न होकर नए साल पर रिलीज हो रही है। 1 जनवरी 2026 को रिलीज होने वाली इस फिल्म का अब फाइनल ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज कर दिया गया है। फिल्म का ट्रेलर पहले भी आ चुका है, लेकिन अब ये फाइनल ट्रेलर आया है। 2 मिनट 11 सेकंड के इस ट्रेलर की शुरुआत जयदीप अहलावत की आवाज से होती है। जिसमें वो कहते हैं, 'उस धुएं और बारूद की बू आज भी याद है मुझे। हम तारीख बदलने वाले थे, लेकिन उस एक लड़के ने हमारी तकदीर ही बदल दी।' इसके बाद ट्रेलर में युद्ध के जबरदस्त सीन और गोलियों और बम के धमाकों की आवाजें सुनने व देखने को मिलती हैं। सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के किरदार में अगस्त्य नंदा सेना की वर्दी में जचते हैं। ट्रेलर के अंत में धर्मेंद्र नजर आते हैं और बैकग्राउंड में 'जिंदगी एक सफर है सुहाना' गाना बजता है।

लाइफ Style

राधिका मैं 16 घंटे काम नहीं कर सकती

राधिका आप्टे भी वर्किंग आवर को लेकर चल रही बहस में शामिल हो गई हैं। अब उन्होंने भी दीपिका पादुकोण की 8 घंटे की शिफ्ट की मांग पर सहमति जताते हुए अपनी बात रखी है। राधिका ने यहां तक कह दिया कि जब तक कि प्रोड्यूसर्स 12 घंटे की शिफ्ट से सहमत न हों वो काम नहीं कर पाएंगी। मां बनने के बाद दीपिका पादुकोण की 8 घंटे की शिफ्ट की डिमांड को लेकर लगातार चर्चा हो रही है और अब इस डिमांड में एक और फीमेल बॉलीवुड एक्ट्रेस शामिल हो गई हैं।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

पिछले कुछ महीनों से मां बनने के बाद काम के घंटों की लेकर बहस ने जोर पकड़ रखी है। हाल ही में राधिका ने अपनी बेटी का पहला बर्थडे सेलिब्रेट किया है। महिला एक्ट्रेसेस खासकर न्यू मॉम्स के लिए काम के घंटों पर बहस पिछले कुछ महीनों से लगातार चल रही है। इसकी शुरुआत दीपिका पादुकोण की तरफ से कथित तौर पर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट ' से वर्किंग आवर को लेकर 8 घंटे की मांक से शुरू हुई, जिसके बाद खबर आई कि मेकर्स ने उन्हें फिल्म से आउट कर दिया। अब राधिका आप्टे ने इस मांग पर सहमति जताई और खुशी भी कि आखिरकार इस विषय पर बातचीत शुरू हो गई है। उन्होंने कहा, 'मैं तब तक काम नहीं कर पाऊंगी जब तक मेकर्स 12 घंटे की शिफ्ट के लिए सहमत नहीं हो जाते। 12 घंटे से मेरा मतलब है, पूरी शिफ्ट यानी जिसमें मेकअप और हेयर स्टाइल सब हो। वर्ना हम असल में 16 घंटे काम कर रहे होते हैं, क्योंकि तब आपको कम से कम 14 घंटे सेट पर रहना पड़ता है, जिसमें हेयर स्टाइल, मेकअप और शिफ्ट का कुछ और काम शामिल है। इसके बाद आपको कम से कम डेढ़ घंटे का ट्रैवल करना पड़ता है, चाहे आप कहीं से भी काम कर रहे हों।' राधिका ने कम के तय समय पर जोर देते हुए कहा कि आप 16 घंटे तक घर से दूर नहीं रह सकते, वरना आप अपने बच्चे को कभी देख ही नहीं पाएंगे।

हॉलीवुड मसाला

धुरंधर के गाने पर झूमे निक जोनस

लॉस एंजिल्स। बॉलीवुड म्यूजिक की दीवानगी अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका जादू इंटरनेशनल भी साफ नजर आता है। हाल ही में नया मामला मशहूर सिंगर और प्रियंका चोपड़ा के पति निक जोनस और उनके भाई जो और केविन जोनस का है, जिन्होंने अपने कॉन्सर्ट से पहले जोश बढ़ाने के लिए एक हिंदी फिल्म का गाना चुना है। खास बात यह है कि यह गाना आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' का ट्रैक 'शरारत' है, जो इन दिनों दुनियाभर में सुर्खियां बटोर रहा है। निक जोनस ने हाल ही में अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपने भाइयों के साथ स्टेज पर जाने से पहले 'शरारत' गाने पर मस्ती करते नजर आ रहे हैं।

कैप्टन अमेरिका के तौर पर वापसी करेंगे क्रिस

लॉस एंजिल्स। 'एवेंजर्सः डूम्स डे' का पहला टीजर जेम्स कैमरून की फिल्म 'अवतार-फायर एंड ऐश' के साथ थिएटर में दर्शकों को देखने को मिला। इस टीजर से दर्शकों को हिंट मिला है कि फिल्म में बतौर कैप्टन अमेरिका क्रिस इंवास की वापसी हो सकती है। एवेंजर्स सीरीज की अगली फिल्म 'एवेंजर्सः डूम्स डे' को लेकर दर्शक उत्साहित हैं। इसमें उनके लिए एक बड़ा सरप्राइज है। फिल्म का हाल ही में पहला टीजर रिलीज हुआ। जिसे देखकर दर्शकों को ऐसा लगा कि इसका हिस्सा क्रिस इवांस भी होंगे। वह कैप्टन अमेरिका के तौर पर इस फिल्म में वापस नजर आ सकते हैं। टीजर में एक खेत से सीन से शुरुआत होती है। इसमें फिल्म का एक अहम किरदार स्टीव अपने घर के बाहर मोटरसाइकिल चलता है और बैकग्राउंड में 'एवेंजर्स' थीम का पियानो वर्जन बज रहा होता है। स्टीव ने नीला हेलमेट पहना है, जो फैंस को कैप्टन अमेरिका (क्रिस इंवास) के कॉस्ट्यूम की याद दिलाता है। स्टीव के हाथ में एक नवजात बच्चे भी है। इसके साथ ही टीजर खत्म हो जाता है।

हैप्पी पटेल का ट्रेलर रिलीज, वीर पर भारी पड़े आमिर- इमरान

मुंबई। वीर दास की फिल्म 'हैप्पी पटेलः खतरनाक जासूस' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी यह फिल्म मजेदार लग रही है। 2 मिनट और 38 सेकेंड में इसमें कॉमेडी का भरपूर डोज है, जमकर गालियां हैं और एक बेवकूफ सीक्रेट एजेंट है, जो काम कम और गलतियां ज्यादा करता है। ट्रेलर की शुरुआत 'अल्फा मेल-अल्फा मेल' की गूंज से होती है, जो इसके हीरो और को-डायरेक्टर वीर दास के लिए है, लेकिन असल मजमा लूट ले जाते हैं आमिर खान और पर्दे पर 10 साल बाद कमबैक कर रहे उनके भांजे इमरान खान। ट्रेलर अपने पहले फ्रेम से ही यह साफ कर देता है कि यह फिल्म कोई स्पाई एक्शन थ्रिलर नहीं, बल्कि अपने हल्के-फुल्के अंदाज, अजीब किरदारों और कॉमिक ट्विस्ट से दर्शकों का मनोरंजन करने वाली है।

वही पुरानी कहानी, फाइनल सीजन जैसा कुछ भी नहीं

नई दिल्ली। रिश्ते रहें ना रहें प्यार तो हमेशा रहता है। दोस्ती, रिलेशनशिप और प्यार की अहमियत को दिखाती चार लड़कियों की कहानी वाला शो 'फोर मोर शॉट्स प्लीज' का चौथा सीजन शुक्रवार को रिलीज हो चुका है। ये सीरीज का फाइनल सीजन है। 2019 में शुरू हुई इस सीरीज के पहले और दूसरे सीजन को महिलाओं की कहानी और उनकी बोल्डनेस के चलते दर्शकों और क्रिटिक्स ने काफी पसंद किया था। हालांकि, तीसरा सीजन आते-आते कहानी कहीं न कहीं सिर्फ बोल्डनेस तक सीमित रह गई और नयापन खोने लगी। इस सीजन में सीरीज के फाइनल सीजन जैसा कुछ भी नया नहीं लगता है। पिछले तीन सीजन की तरह ही सीरीज प्यार रिलेशनशिप, एलजीबीटक्यू और दोस्ती को लेकर मैसेज देने का प्रयास करती है। जिसमे कहीं-कहीं सफल भी होती है।

टीवी मसाला

14 साल बाद टीवी पर लौटेंगे अक्षय होस्ट करेंगे व्हील ऑफ फॉर्च्यून शो

नई दिल्ली। अक्षय कुमार फिल्मों में लोगों को एंटरटेन करने के बाद अब 14 साल बाद टीवी पर गेम खिलाने के लिए आ रहे हैं। वो एमी अवॉर्ड विनर टीवी गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' भारत में लेकर आ रहे हैं। अक्षय कुमार इस शो को होस्ट करेंगे। आठ बार एमी अवॉर्ड जीतने वाला अमेरिका का नंबर वन टेलीविजन गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' अब भारत में सोनी टीवी और सोनी लिव पर प्रसारित होने के लिए तैयार है। अक्षय कुमार शो में बतौर होस्ट शामिल होंगे। सोनी टीवी की ओर से इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया गया, 'दुनिया के सबसे बड़े टेलीविजन गेम शो ने भारत को नमस्ते कहा है।' इसके साथ ही मेकर्स ने ये भी स्पष्ट कर दिया है कि अक्षय कुमार इस शो को होस्ट करेंगे। हालांकि, अभी तक शो की रिलीज डेट और कंटेस्टेंट के नाम सामने नहीं आए हैं। इस गेम शो से जुड़ने पर अभिनेता अक्षय कुमार ने भी खुशी जाहिर की है। एक्टर ने कहा कि 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' दुनिया भर में लाखों लोगों का पसंदीदा शो रहा है। मैं इसके भारतीय संस्करण को यहां के दर्शकों के सामने पेश करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। कई पीढ़ियों से चली आ रही शो की लोकप्रियता और पहेलियां सुलझाने का रोमांच इसे दुनियाभर में लोकप्रिय बना चुका है। मुझे भरोसा है कि भारतीय दर्शक भी इसका भरपूर आनंद लेंगे।

पलक झपकाने का नहीं मिलेगा मौका

नई दिल्ली। माधुरी दीक्षित की वेब सीरीज 'मिसेज देशपांडे' 19 दिसंबर को ओटीटी पर रिलीज हो गई है। इस क्राइम-थ्रिलर सीरीज के कुल 6 एपिसोड्स एक साथ रिलीज हुए हैं। हर कातिल कत्ल के पीछे कोई ना

कोई सबूत छोड़ जाता है, लेकिन यहां माजरा थोड़ा उल्टा है। यहां कातिल बताकर जाता है कि मारने वाला वही था। इस सीरीज में पलक झपकाने का समय नहीं मिलेगा, क्योंकि हर पल कोई ना कोई नया मोड़ आ जाता है यानी ट्विस्ट और टर्न की भरमार के मामले में तो पूरे नंबर मिलने चाहिए। आखिर तक पता नहीं चल पाएगा कि आखिर कातिल है कौन। हर क्राइम-थ्रिलर की ही तरह ये सीरीज भी सस्पेंस और मर्डर मिस्ट्री की परतें एक-एक कर खोलती है। कहानी है एक सीरियल किलर की, जो मुंबई में एक के बाद एक कत्ल किए जा रहा है और हत्या करने का तरीका एक जैसा ही है। सभी को रस्सी से दम घोंटकर मारा जाता है। सीरीज की कहानी शुरु होती है ऐसे ही मुंबई में एक्टर विराट मल्होत्रा के कत्ल से। पुलिस कमिश्नर अरुण खत्री मौका-ए-वारदात पर पहुंचते हैं।

सस्पेंस-थ्रिलर से लेकर कॉमेडी-रोमांस तक, इस वीकेंड ओटीटी पर लगा एंटरटेनमेंट का फुल तड़का

नई दिल्ली। अगर आप वीकेंड पर घर बैठे एंटरटेनमेंट का पूरा डोज लेना चाहते हैं, तो यह हफ्ता ओटीटी दर्शकों के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है। रोमांस, हॉरर-कॉमेडी, क्राइम थ्रिलर और डार्क ड्रामा- हर जॉनर को पसंद करने वालों के लिए इस बार कुछ न कुछ खास मौजूद है। दिसंबर के इस वीकेंड पर कुल 5 नई फिल्में और वेब सीरीज रिलीज हुई हैं, जो आपकी बिंज-वॉच लिस्ट को और लंबा करने वाली हैं।

शुभचिंतक

गुजराती सिनेमा को एक नया और बोल्ड मोड़ देती है 'शुभचिंतक', जो 18 दिसंबर 2025 से शेमारू मी पर स्ट्रीम हो रही है। यह डार्क कॉमेडी-थ्रिलर एक ऐसे नौसिखिए की कहानी है, जो बदला लेने के लिए हनी-ट्रैप का सहारा लेता है। लेकिन जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, वह खुद नैतिक उलझनों और अप्रत्याशित हालात में फंस जाता है। सस्पेंस और डार्क कॉमेडी का यह मिश्रण दर्शकों को अंत तक बांधे रखने का दम रखता है।

थामा

वहीं, मैडॉक फिल्म्स के हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की पेशकश 'थामा' अब थिएटर के बाद ओटीटी पर दस्तक दे चुकी है। 16 दिसंबर 2025 से प्राइम वीडियो पर उपलब्ध यह फिल्म रोमांस और डर का दिलचस्प कॉम्बिनेशन पेश करती है। आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की जोड़ी के साथ फिल्म हल्के-फुल्के हास्य के बीच हॉरर का तड़का लगाती है, जो इस फ्रेंचाइजी के फैंस को खासा पसंद आने वाला है।

एक दीवाने की दीवानियत

नेटफ्लिक्स पर 16 दिसंबर से स्ट्रीम हो रही 'एक दीवाने की दीवानियत' एक इंटेंस रोमांटिक ड्रामा है। कहानी एक ऐसे आशिक के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी मोहब्बत धीरे-धीरे जुनून में बदल जाती है। हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की केमिस्ट्री इस कहानी को और भी भावनात्मक बना देती है। यह सीरीज प्यार, पागलपन और पजेसिवनेस के बीच की महीन रेखा को दिखाती है।

मिसेज देशपांडे

19 दिसंबर 2025 को जियो हॉटस्टार पर रिलीज हुई 'मिसेज देशपांडे' खासतौर पर माधुरी दीक्षित के फैंस के लिए बड़ी ट्रीट है। इस क्राइम थ्रिलर में वह एक सीरियल किलर के किरदार में नजर आती हैं, जो पुलिस को एक कॉपीकैट किलर पकड़ने में मदद करती है। फ्रेंच सीरीज ला मांते से प्रेरित यह शो सस्पेंस और साइकोलॉजिकल ट्विस्ट से भरपूर है।

3 इडियट्स की सीक्वल होगी 4 इडियट्स और चौथा एक्टर होगा तगड़ा सुपरस्टार!

मुंबई। आमिर खान की सुपरहिट फिल्म '3 इडियट्स' के सीक्वल की बात जोरों पर है। इन सबके बीच, फिल्म को लेकर नया अपडेट सामने आया है। इसका टाइटल '4 इडियट्स' हो सकता है और चौथे इडियट को ढूंढने के लिए मेकर्स जोर-शोर से जुटे हुए हैं। फिलहाल स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है और इसका टाइटल है 4 इडियट्स। हालांकि, यह टाइटल अभी बदला जा सकता है, मेकर्स इस फ्रेंचाइजी को इसकी पुरानी तिकड़ी से आगे बढ़ाने के लिए एक सुपरस्टार की तलाश में हैं। निर्माता चौथे इडियट की खोज में जुटे हैं, जो एक सुपरस्टार हो सकता है। लेखन का काम जारी है और टीम यह तय करने में लगी है कि यह और भी बड़ी और बेहतर हो और पहले पार्ट के अंत से आगे बढ़े। हालांकि, यह सिर्फ एक साधारण सिलसिला नहीं होगा, बल्कि इसमें नए एलिमेंट भी शामिल किए जाएंगे ताकि चौथे लीड स्टार को शामिल करना बेहतर साबित हो सके।

एक कल्ट क्लासिक फिल्म बन गई 3 इडियट्स

जहां उम्मीद है कि आमिर खान, आर. माधवन, शरमन जोशी और करीना कपूर खान से 2009 की ब्लॉकबस्टर फिल्म से अपने रोल्स को दोहराएंगे, वहीं चौथे इडियट को लेकर अटकलें जल्द ही सबके बीच आएंगी। '4 इडियट्स' केवल एक अस्थायी टाइटल है और बाद में इसमें बदलाव हो भी सकता है और नहीं भी। फिर भी, चौथे एक्टर को लेकर बातें जोरों पर हैं, जो संभवतः एक सुपरस्टार हो सकता है। 2009 में रिलीज हुई फिल्म '3 इडियट्स' एक कल्ट क्लासिक बन गई और इसने भारत की शिक्षा प्रणाली पर देशव्यापी बहस छेड़ दी। इस फिल्म ने 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली पहली भारतीय फिल्म बनकर इतिहास रच दिया और उस समय बॉलीवुड के लिए नए मानक स्थापित किया। इसके सीक्वल का निर्देशन राजकुमार हिरानी करेंगे।

अपनी अदाकारी से लोगों को कभी हंसाया तो कभी रुलाया

अमिताभ की फिल्म में दद्दू के किरदार से मशहूर हुए ओम प्रकाश

एजेंसी ▶▶ मनई दिल्ली

ओम प्रकाश बॉलीवुड के ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने अपनी अदाकारी से लोगों को कभी हंसाया तो कभी रुलाया। उन्हें कैरेक्टर आर्टिस्ट के तौर पर भी याद किया जाता है। अपने कॅरियर में उन्होंने 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। वह जो भी किरदार निभाते थे, उसमें पूरी तरह से ढल जाते थे। अभिनेता के अलावा वह निर्माता भी थे।

12 साल की उम्र में संगीत सीखना किया शुरू

19 दिसंबर 1919 को जम्मू में जन्मे ओम प्रकाश का पूरा नाम ओम प्रकाश बख्शी था। उनकी शुरुआती पढ़ाई लाहौर में हुई जो अब पाकिस्तान में है। बचपन से ही उन्हें कला में दिलचस्पी थी। वह लगभग 12 साल के थे, जब उन्होंने शास्त्रीय संगीत की शिक्षा लेनी शुरू की। साल 1937 में उन्होंने 'ऑल इंडिया रेडियो' में काम करना शुरू किया। उनके प्रोग्राम 'फतेहदीन' को काफी सराहना मिली।

शादी की दावत में मिला फिल्म का ऑफर

सिनेमा में आने की ओम प्रकाश की कहानी दिलचस्प है। वह अपने दोस्त की शादी में गए थे। वहां दलसुख पंचोली ने उन्हें देखा और लाहौर बुलाया। इसके बाद उन्हें फिल्म 'दासी' 1950 में काम करने का मौका दिया। यह उनकी पहली बोलती फिल्म थी।

आखिरी वक्त

ओम प्रकाश अपने आखिरी वक्त में बीमार हो गए थे। दिल का दौरा पड़ने की वजह से उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत ज्यादा खराब होने पर वह कोमा में चले गए थे। 21 फरवरी, 1998 को उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

इन फिल्मों में की बेहतरीन अदाकारी

'दासी' के बाद उन्हें कई बेहतरीन फिल्में मिलीं। उन्होंने हिंदी सिनेमा के कई बड़े अभिनेताओं के साथ काम किया और अपने अभिनय का लोहा मनवाया। उन्होंने जूली, पड़ोसन, दस लाख, बैराग, चुपके-चुपके, नमक हलाल, शराबी, खानदान, प्यार किए जा, चौकीदार, आंधी, लावारिस, लोफर और जंजीर जैसी बेहतरीन फिल्मों में काम किया। उनकी आखिरी फिल्म 'नौकर बीवी का' (1983) है।

बिग बी के साथ की शानदार अदाकारी

ओम प्रकाश को सबसे ज्यादा पहचान अमिताभ बच्चन की दो फिल्मों से मिली। फिल्म नमक हलाल में ओम प्रकाश ने दद्दू का किरदार निभाया। इस किरदार को आज भी याद किया जाता है। इसके अलावा उन्होंने फिल्म शराबी में मुंशीलाल का किरदार निभाया, जिसे आज भी लोग सराहते हैं।

60 के दशक में प्रोड्यूस की फिल्में

ओम प्रकाश एक बेहतरीन एक्टर होने के साथ-साथ एक बेहतरीन निर्माता भी थे। 60 के दशक में उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी बनाई। इसके तहत उन्होंने भैयाजी, चाचा जिंदाबाद, गेटवे ऑफ इंडिया और संजोग जैसी फिल्में बनाईं। ओम प्रकाश ने फिल्म कन्हैया' का निर्माण किया था। इसमें राज कपूर और नूतन ने अभिनय किया था।

दिलचस्प है लव लाइफ

ओम प्रकाश की लव लाइफ दिलचस्प, लेकिन अधूरी है। एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें एक सिख लड़की से प्यार हो गया था। हालांकि, लड़की के घरवाले उनके खिलाफ थे, क्योंकि वह हिंदू थे। उनकी मां लड़की के घर पर शादी का प्रस्ताव लेकर गई थीं, लेकिन उनके घरवाले नहीं मानें। इसके बाद उन्होंने अलग होने का फैसला किया।

एशेज : हेड ने इंग्लैंड को फिर दिया 'हेडेक', शतक ठोककर ऑस्ट्रेलिया को दिलाई जबरदस्त बढ़त

एजेंसी ▶▶| एडिलेड

ट्रेविस हेड ने घरेलू मैदान एडिलेड ओवल पर लगातार चौथे टेस्ट में शतक बनाने के बाद अपने हेलमेट और दस्ताने उतारे और फिर घुटनों के बल बैठने कर पिच को चूम लिया। ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक चार विकेट पर 271 रन बनाकर कुल 356 रन की बढ़त के साथ मैच पर अपनी पकड़ काफी मजबूत कर ली है।

हेड को 99 रन पर एक बड़ा जीवनदान मिला जब उन्होंने जोफ्रा आर्चर की गेंद पर करारा प्रहार किया और गली में खड़े हैरी ब्रूक ने कैच टपका दिया। इससे पहले उन्होंने रूट की एक स्पिन गेंद को ऑन-साइड में खेला और एक रन लेने के लिए दौड़े, लेकिन उनके साथी बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने उन्हें वापस भेज दिया। ऑस्ट्रेलिया के इस बेखौफ बल्लेबाज ने 99 रन पर रहते हुए उन्होंने आठ गेंदों का सामना करने के बाद जोखिम लेने का मन बनाया और रूट की गेंद पर क्रीज से बाहर निकल कर गेंदबाज के सिर से ऊपर से चौका लगाकर अपना 11वां टेस्ट शतक पूरा किया।

हेड का कैच टपकाना इंग्लैंड को पड़ा महंगा

तीसरे दिन का खेल खत्म होते समय हेड 142 रन बनाकर नाबाद थे। उन्होंने पांचवें विकेट के लिए दक्षिण ऑस्ट्रेलिया टीम के अपने साथी खिलाड़ी कैरी (52) के साथ 122 रन की अटूट साझेदारी कर ली है। ब्रूक ने इससे पहले जोश टोंग की गेंदबाजी पर मार्नस लाबुशेन (13) और कैमरून ग्रीन (सात) का स्लिप में शानदार कैच लपका था लेकिन हेड का कैच टपकाना टीम के लिए महंगा साबित हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले दिन की शुरुआती सत्र में इंग्लैंड को 286 रनों पर आउट करने के बाद दूसरी पारी में शानदार बल्लेबाजी से मजबूत बढ़त बना ली।

नौवें विकेट के लिए स्टोक्स और आर्चर की रिकॉर्ड साझेदारी

बेन स्टोक्स ने सुबह के सत्र में जोफ्रा आर्चर के साथ नौवें विकेट के लिए रिकॉर्ड 106 रनों की साझेदारी करके इंग्लैंड के एशेज अभियान में जान फूंकने की कोशिश की। इस साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी की बढ़त 85 रन तक सिमट गई। यह एडिलेड में इंग्लैंड के लिए नौवें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। मिचेल स्टार्क की गेंद पर 83 रन पर बोल्ड होने के बाद स्टोक्स निराशा में खुद को कोसते हुए मैदान से बाहर निकले। उन्होंने 198 गेंद की पारी में संयमित पारी में आठ चौके लगाए जबकि आर्चर ने 51 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया ने लंच से पहले ब्रायडन कार्स की गेंद पर जेक वेदरल्ड (एक) का विकेट गंवाया।

ग्रीन नही कर सके दूसरी पारी में प्रभावित

लंच के समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर एक विकेट पर 17 रन था। दिन के दूसरे सत्र में ऑस्ट्रेलिया ने 102 रन जोड़ते हुए मार्नस लाबुशेन (13) का विकेट गंवाया जबकि चाय के विश्राम के बाद उस्मान ख्वाजा (40) ने तीसरे विकेट के लिए हेड के साथ 86 रन की साझेदारी के साथ मैच पर ऑस्ट्रेलिया की पकड़ मजबूत बनाए रखी।पहली पारी में खाता खोलने में नाकाम रहे ग्रीन दूसरी पारी में प्रभावित नहीं कर सके और सात रन बनाकर आउट हुए।

खबर संक्षेप

शुभंकर ने खेला दो ओवर कार्ड, 71वें स्थान पर पहुंचे

पोर्ट लुईस। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा अफ्रएशिया बैंक मॉरीशस ओपन के शुरुआती दौर में दो ओवर का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 71वें स्थान पर है। तेज हवा के कारण मुश्किल परिस्थितियों में शुभंकर का स्कोर 13वें होल तक एक अंडर था लेकिन उन्होंने इसके बाद डबल बोगी और और बोगी कर दिया। शुभंकर ने इस दौरान तीन बर्डी, तीन बोगी के अलावा 16वें होल में डबल बोगी कर दी। दक्षिण अफ्रीका के केसी जार्विस और स्कॉटलैंड के स्कॉट जैमीसन एक समान पांच-अंडर-पार 67 स्कोर के साथ संयुक्त रूप से तालिका में शीर्ष पर हैं।

वीनिंक छोड़ेंगे न्यूजीलैंड क्रिकेट के सीईओ का पद

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) स्कॉट वीनिंक खेल की भविष्य की दिशा विशेष रूप से टी20 क्रिकेट की भूमिका को लेकर खिलाड़ियों और सदस्य संघों से मतभेदों के बाद अपने पद से इस्तीफा देंगे। ढाई साल से इस पद पर रहे वीनिंक का कार्यकाल 30 जनवरी को समाप्त हो जाएगा। ऐसी खबरें है कि वीनिंक देश में प्रस्तावित फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग के खिलाफ है। इस प्रस्तावित लीग को न्यूजीलैंड के खिलाड़ी संघ और एनजेडसी के छह प्रमुख राज्य निकायों का समर्थन प्राप्त है। वीनिंक ने कहा, 'गहन विचार-विमर्श के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि खेल की दीर्घकालिक दिशा और न्यूजीलैंड में टी20 क्रिकेट की भूमिका सहित एनजेडसी की भविष्य की प्राथमिकताओं पर मेरा दृष्टिकोण कई सदस्य संघों और एनजेडसीपीए से भिन्न है।' उन्होंने कहा, 'इन मतभेदों को देखते हुए मेरा मानना है कि संगठन के सर्वोत्तम हित में यही होगा कि नया नेतृत्व एनजेडसी को यहां से आगे ले जाए।'

खुद को चुनौती देना जरूरीः चक्रवर्ती

अहमदाबाद। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कहा कि टी20 विश्व कप की तैयारी में उनका पूरा ध्यान अपनी गेंदबाजी की लेंथ पर भरोसा करने, आत्मविश्वास बनाए रखने और आसान दिखने वाले मैचों में भी खुद को मानसिक रूप से चुनौती देने पर केंद्रित है। इस 34 साल के खिलाड़ी ने 32 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 51 विकेट लिए हैं। इसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा पांच मैचों की श्रृंखला के शुरुआती तीन मैचों में लिए गए छह विकेट भी शामिल हैं। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में 7 फरवरी से 8 मार्च तक होने वाले टी20 विश्व कप में भारत के खिताब की रक्षा के लिए चक्रवर्ती काफी अहम खिलाड़ी है।

तिलक और पंड्या की फिफ्टी, चक्रवर्ती को चार विकेट

भारत ने लगातार 8वीं टी-20 सीरीज जीती अफ्रीका को 5वें मैच में 30 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज 3-1 से जीत ली है। टीम ने शुक्रवार को खेले गए 5वें मैच में अफ्रीका को 30 रन से हराया। टीम इंडिया ने लगातार 8वीं सीरीज जीती है। अहमदाबाद में 232 रन का टारगेट चेज रही साउथ अफ्रीका 20 ओवर में 8 विकेट पर 201 रन ही बना सकी। वरुण चक्रवर्ती ने सबसे ज्यादा 4 विकेट झटके। जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट लिए। क्विंटन डी कॉक ने 35 बॉल पर 65 रन बनाए। इससे पहले भारतीय टीम ने तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या के अर्धशतकों के सहारे 20 ओवर में 5 विकेट पर 231 रन का स्कोर बनाया। तिलक ने 42 बॉल पर 73 रन बनाए, जबकि पंड्या ने 25 बॉल पर 63 रन की पारी खेली। संजू सैमसन ने 37 और अभिषेक शर्मा ने 34 रन बनाए। पंड्या ने 16 बॉल पर फिफ्टी पूरी की। यह भारत की ओर से टी-20 इंटरनेशनल में दूसरी सबसे तेज फिफ्टी है। टीम इंडिया की ओर से सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड युवराज सिंह (12 बॉल) के नाम है। भारतीय टीम ने 115 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे। यहां तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या ने चौथे विकेट के लिए 44 बॉल पर 104 रन की साझेदारी की। मैच आखिरी टी-20 के साथ साउथ अफ्रीका का 35 दिन का भारतीय दौरा समाप्त हो गया। इसकी शुरुआत 2 टेस्ट की सीरीज के साथ हुआ। इसमें साउथ अफ्रीका ने 2-0 से क्लीन स्वीप किया। फिर भारत ने वनडे सीरीज में 2-1 से और 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 3-1 की जीत हासिल की। इस सीरीज का एक मैच कोहरे के कारण रद्द कर दिया गया।

डिकॉक का 18वां अर्धशतक

232 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी हुई थी। रीजा हैंड्रिक्स और क्विंटन डिकॉक के बीच पहले विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी हुई जिसे वरुण चक्रवर्ती ने तोड़ा। उन्होंने हैंड्रिक्स को शिवम दुबे के हाथों कैच कराया। वह 13 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, क्विंटन डिकॉक ने अपने करियर का 18वां अर्धशतक जड़ा और 65 रनों की दमदार पारी खेलकर पवेलियन लौटे। उन्हें बुमराह ने अपना शिकार बनाया।

अफ्रीका के खिलाफ भारत की 21वीं जीत

भारत ने विश्व चैंपियन बनने के बाद से सात टी20 सीरीज और एशिया कप अपने नाम किया। भारत 2023 से टी20 में अजेय है। दिलचस्प बात यह है कि भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह 35 मैचों में 21वीं जीत है। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा 22 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले जीते हैं।

ताश के पत्तों की तरह बिखरा बल्लेबाजी क्रम

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डेवाल्ड ब्रेविस 17 गेंदों में 31 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। डेविड मिलर 18, जॉर्ज लिंडे 16, मार्को यानसेन 14 रन बनाकर आउट हुए जबकि कॉर्बिन बॉश और लुंगी एनगिडी क्रमशः 17 और सात रन बनाकर नाबाद रहे। भारत के लिए वरुण चक्रवर्ती ने चार विकेट लिए जबकि जसप्रीत बुमराह को दो सफलताएं मिलीं। वहीं, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

संजू-अभिषेक ने दिलाई धमाकेदार शुरुआत

इससे पहले, संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 63 रनों की साझेदारी हुई, जिसे कॉर्बिन बॉश ने तोड़ा। उन्होंने अभिषेक को डिकॉक के हाथों कैच कराया। वह 21 गेंदों में 34 रन बनाकर आउट हुए।

सीआईडीसीओ ओपन

अहलावत ने जीता खिताब खेला 4 अंडर 67 का कार्ड

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

वीर अहलावत ने सीआईडीसीओ ओपन गोल्फ के अंतिम दिन चार अंडर 67 के स्कोर के साथ खिताब अपने नाम किया। गुरुग्राम के इस खिलाड़ी ने इससे पहले शुरूआती तीन दौर में 65-65-73 के कार्ड के साथ तालिका में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। अहलावत का कुल स्कोर 14 अंडर 270 रहा।

तीन शॉट की इस जीत से अहलावत मौजूदा सत्र की पीजीटीआई रैंकिंग में 18वें से 11वें पायदान पर पहुंच गए। तीसरे दौर के बाद संयुक्त रूप से तालिका में शीर्ष पर रहे पुणे के रोहन धोले पाटिल (70-69-64-70) 11 अंडर 273 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। यह पीजीटीआई स्पर्धा में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। गुरुग्राम के मनु गंडास (68-68-70-68) और इटली के मिशेल ओर्टोलानी 67-66-72-69) 10-अंडर 274 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के दौरान तीसरी बार 'होल इन वन (एक शॉट में ही गेंद को होल में पहुंचाना) लगाने वाले चंडीगढ़ के रवि कुमार 71 का कार्ड खेल कुल चार अंडर 280 के स्कोर के साथ पांचवां स्थान हासिल किया।

विजय हजारे ट्रॉफी : अय्यर बने मप्र टीम के कप्तान

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने वेंकटेश अय्यर को विजय हजारे ट्रॉफी लीग स्टेज के लिए अपनी सीनियर पुरुष टीम का कप्तान बनाया है। यह टूर्नामेंट 24 दिसंबर से 8 जनवरी तक अहमदाबाद में होगा। मध्यप्रदेश के लिए कप्तानी की यह भूमिका अय्यर के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। टीम में अनुभवी खिलाड़ी यश दुबे और कुमार कार्तिकेय भी शामिल हैं। इसके अलावा शुभम शर्मा और हरप्रीत सिंह भी 16 सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं, जबकि माधव तिवारी का चयन उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा।

अंडर-19 एशिया कप

नौवीं बार फाइनल में पहुंचा भारत अब पाकिस्तान से खिताबी टक्कर

- श्रीलंका को 8 विकेट से रौंदकर भारत ने फाइनल में रखा कदम
- दुबई में हुए अंडर-19 एशिया कप सेमीफाइनल में भारत ने विहान मल्होत्रा और आरोन जॉर्ज की शानदार बल्लेबाजी के दम पर आठ विकेट से जीत दर्ज की और नौवीं बार फाइनल में प्रवेश किया, जिसमें भारत का सामना अब पाकिस्तान से होगा

एजेंसी ▶▶| दुबई

एसीसी अंडर-19 एशिया कप में टीम इंडिया का जीत का सिलसिला जारी है। बारिश के कारण 50-50 ओवर के सेमीफाइनल को 20-20 ओवर का टी20 मैच बनाया गया। श्रीलंका की टीम पहले खेलते हुए केवल 138 रन ही बना सकी। इसके बाद विहान (61) और जॉर्ज (58) की शानदार बैटिंग के दम पर भारत ने आठ विकेट से आसानी से जीत हासिल की और नौवीं बार फाइनल में प्रवेश किया। भारत का सामना दूसरे सेमीफाइनल में गत चैंपियन बांग्लादेश को हराने वाली पाकिस्तान टीम से होगा।

पटेल व चौहान ने झटके दो-दो विकेट

दुबई में बारिश के कारण वनडे मैच को 20-20 ओवर्स का किया गया। अंडर-19 टीम इंडिया के कप्तान आयुष म्हात्रे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। श्रीलंका की शुरुआत सही नहीं रही और 28 रन पर तीन विकेट गिर चुके थे। इसके बाद कप्तान विमथ दींसारा ने 29 गेंद में चार चौके की मदद से 32 रन बनाए। नंबर पांच पर आए चमिका हीनातिगाला ने 38 गेंद में तीन चौकों की मदद से 42 रन की पारी खेली। वहीं नंबर आठ पर आए सेठमिका सेनेविरत्ने ने 22 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाए, जिससे श्रीलंका की टीम ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 138 रन बनाए और भारत के लिए हेनिल पटेल व कनिष्क चौहान ने दो-दो विकेट झटके।

चावला का 36 साल में जलवा झटके चार विकेट झटके नाइट राइडर्स को जिताया

अबूधाबी। भारत के पूर्व स्पिनर पीयूष चावला (27 रन पर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर अबूधाबी नाइट राइडर्स ने इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) मैच में गल्फ जायंट्स को चार गेंद शेष रहते चार विकेट से शिकस्त दी। टीम सात मैचों में तीसरी जीत के बाद छह अंक के साथ तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई। रहमानुल्लाह गुरबाज की 45 गेंद में 72 रन की पारी से गल्फ जायंट्स ने सात विकेट पर 165 रन बनाए लेकिन नाइट राइडर्स ने 19.2 गेंद में छह विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स (39 गेंद में 46 रन) और फिल सॉल्ट (24 गेंद में 35 रन) ने पहले विकेट के लिए 44 गेंद में 61 रन की साझेदारी के साथ टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। इसके बाद शरफेन रदरफोर्ड (22 गेंद में 30 रन) और आंद्रे रसेल (13 गेंद में नाबाद 21 रन) ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत दिला दी। जायंट्स की ओर से तबरेज शम्सी ने तीन जबकि फ्रेड क्लासेन ने दो विकेट लिए। गुरबाज ने अपनी पारी में चार चौके और पांच छक्के जड़े लेकिन उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े को पार नहीं कर सका।

मोरक्को ने जॉर्डन को हराया, जीता अरब कप का खिताब

दोहा। अब्दररज्जाक हामेद अल्लाह के दो गोल से मोरक्को ने अतिरिक्त समय तक चले अरब कप के फाइनल में जॉर्डन को 3-2 से पछाड़कर खिताब अपने नाम किया। लुसैल स्टेडियम में हामेद अल्लाह ने 88वें मिनट में बराबरी का गोल दागा और फिर 100वें मिनट में विजयी गोल करके मोरक्को को 'अफ्रीका कप ऑफ नेशंस' से पहले अरब कप ट्रॉफी दिला दी। फाइनल के चार मिनट से भी कम समय में ओसामा तन्नाने ने सेंटर लाइन के पीछे से शानदार स्ट्राइक लगाकर मोरक्को को बढ़त दिलाई थी। अली ओलवान के 48वें मिनट में हेडर से गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया और 68वें मिनट में पेनल्टी से जॉर्डन को बढ़त दिला दी।

न्यूजीलैंड-वेस्टइंडीज टेस्टः न्यूजीलैंड ने की पहली पारी 575/8 रन पर घोषित

कॉनवे का दोहरा शतक, कीवी टीम को बढ़त, विंडीज की सधी शुरुआत

एजेंसी ▶▶| माउंट मोनगानुई

डेवोन कॉन्वे के करियर के दूसरे दोहरे शतक की मदद से न्यूजीलैंड ने तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी पहली पारी 8 विकेट पर 575 रन पर घोषित की। न्यूजीलैंड के बड़े स्कोर के सामने हालांकि वेस्टइंडीज की सलामी जोड़ी दबाव में नहीं आईऔर टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक बिना किसी नुकसान के 110 रन बना लिए। स्टंप्स के समय ब्रेंडन किंग 55 जबकि जॉन कैंपबेल 45 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है। किंग ने 63 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया जबकि उनकी और कैंपबेल की जोड़ी ने दिन के आखिरी सत्र में अपनी पारी के 23 ओवर में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। न्यूजीलैंड तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे है। श्रृंखला का पहला टेस्ट ड्रॉ रहा था जबकि दूसरे टेस्ट को मेजबान टीम ने नौ विकेट से जीता था।

कॉन्वे ने की साढ़े आठ घंटे की मैराथन बल्लेबाजी

इससे पहले कॉन्वे ने लगभग साढ़े आठ घंटे की मैराथन बल्लेबाजी में 227 रन के साथ अपने टेस्ट करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। इससे पहले उनका सर्वोच्च स्कोर 200 रन था, जो उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2021 में लॉर्ड्स में अपने पदार्पण टेस्ट में बनाया था। टॉम लैथम के साथ 323 रनों की पहले विकेट की साझेदारी निभाने के साथ कॉन्वे ने 508 मिनट और 367 गेंद की पारी में 31 चौके लगाए। लैथम ने पहले दिन 145 रन बनाए और रचिन रविंद्र ने दूसरे और तीसरे सत्र में अर्धशतकीय पारी खेली। पारी घोषित करते समय रचिन 72 रन बनाकर नाबाद रहे।

रोच ने मांसपेशियों में खिंचाव के कारण नहीं की गेंदबाजी

केमार रोच मांसपेशियों में खिंचाव के कारण गेंदबाजी नहीं कर सके जबकि शाई होप किसी अज्ञात बीमारी के कारण दूसरे दिन के खेल के दौरान होटल में ही रहे। न्यूजीलैंड ने दिन की शुरुआत एक विकेट पर 334 रन से आगे से की। इस समय कॉन्वे 178 रन पर खेल रहे थे। उन्होंने दिन की पहली गेंद पर चौका जड़ा और फिर 316 गेंद में अपना दोहरा शतक पूरा किया। वेस्टइंडीज के गेंदबाज हालांकि एक छोर से लगातार विकेट चटकाने में सफल रहे। रात्रि प्रहरी जैकब डफी (17) और केन विलियमसन (31) लंच से पहले आउट हुए जबकि डेरिल मिचेल (11) और टॉम ब्लंडेल (चार) का विकेट दूसरे सत्र में गिरा। ग्लेन फिलिप्स (29) दिन के आखिरी सत्र में पवेलियन लौटे।

'डंकी रूट' सिंडिकेट के खिलाफ ईडी की बड़ी कार्रवाई

करीब 5 करोड़ नगद, 313 किलो चांदी और 7 करोड़ का सोना बरामद

ईडी की यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग के तहत चल रही जांच का हिस्सा है, जो फरवरी 2025 में अमेरिका से 330 भारतीयों के डिपोर्टेशन से जुड़ी है। छापे के दौरान दिल्ली स्थित एक ट्रैवल एजेंट के ठिकाने से ईडी को बड़ी मात्रा में नकदी और कीमती धातुएं मिलीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'डंकी रूट' सिंडिकेट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जालंधर जोनल ऑफिस की टीम ने शुक्रवार को पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में एक साथ 13 व्यावसायिक और आवासीय ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग के तहत चल रही जांच का हिस्सा है, जो फरवरी 2025 में अमेरिका से 330 भारतीयों के डिपोर्टेशन से जुड़ी है। छापे के दौरान दिल्ली स्थित एक ट्रैवल एजेंट के ठिकाने से ईडी को बड़ी मात्रा में नकदी और कीमती धातुएं मिलीं। 4.62 करोड़ नकद, 313 किलो चांदी और 6 किलो सोने के बिस्किट बरामद किए गए हैं। इनकी कुल अनुमानित कीमत 19.13 करोड़ बताई जा रही है। इसके अलावा मोबाइल चैट और डिजिटल सबूत बरामद हुए, जिनमें डंकी रूट के अन्य सदस्यों से टिकट, रूट और पैसे की डील की बातचीत दर्ज है।

मोबाइल चैट डिजिटल सबूत बरामद हुए डंकी रूट की बातचीत दर्ज

सभी डिजिटल डेटा और दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच की जा रही

हरियाणा में 5 वीजा एजेंटों के घर छापा

ईडी द्वारा जब्त किए गए 5 करोड़ रुपए

चंडीगढ़ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीमों ने गुरुवार को कुरुक्षेत्र के पिहोवा, पानीपत के गांव अहर-कुराना और करनाल के निसिंग में पांच एजेंटों के घर छापामारी की। पानीपत का एजेंट बलवान अहर भाजपा नेता है व 2005 में नौल्था विस क्षेत्र से चुनाव लड़ चुका है। मतलौडा थाने में विदेश भेजने में धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज हैं। उधर, दूसरा एजेंट प्रवीण पंचायत विभाग में खेल कोटे से नियुक्त ग्राम सचिव है व करनाल जिले में पोस्टिंग है। कुराना के प्रदीप के घर भी ईडी टीम पहुंची। प्रवीण व प्रदीप दोनों पार्टनर हैं। पांचों जगह ईडी की टीमें गुरुवार सुबह आठ बजे पहुंच गईं थीं।

जमीन के कागजात गिरवी रखवाते थे

हरियाणा के एक प्रमुख एजेंट के ठिकाने से ऐसे रिकॉर्ड मिले, जिनसे पता चला कि वह लोगों को मेक्सिको के रास्ते अमेरिका भेजने के लिए उनकी प्रॉपर्टी या जमीन के कागजात गिरवी रखवाता था। इससे पैसा पक्का रहता और कोई भाग नहीं सकता। बाकी जगहों से मोबाइल फोन, दस्तावेज और अन्य संदिग्ध सामान बरामद हुए, जो पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में मदद करेंगे। ईडी अब इन सभी डिजिटल डेटा और दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच कर रही है। यह जांच पंजाब और हरियाणा पुलिस की एफआईआर पर आधारित है, जिसमें ट्रैवल एजेंट्स, बिचौलियों और हवाला ऑपरेटर्स का जाल शामिल है।

जब्त 313 किलो चांदी और 7 करोड़

पांच माह पहले भी की थी कार्रवाई

करीब पांच महीने पहले भी ईडी ने पिहोवा व इस्माईलाबाद में दो एजेंटों के ठिकानों पर छापेमारी की थी। पिहोवा के वीजा एजेंट विशाल चावला के माडल टाउन स्थित घर पर आठ बजे ईडी की टीम पहुंची। वीजा एजेंट का नेटवर्क हरियाणा-पंजाब व हिमाचल प्रदेश तक है। ईडी को शक है विशाल ने डंकी रूट से लोगों को कई देशों में अवैध रूप से भेजा व करोड़ों रुपए वसूले। वीजा एजेंट विशाल के फरार होने की अटकलें तेज हो गई हैं।

क्या है डंकी रूट?

'डंकी रूट' लोगों की जान जोखिम में डालकर अवैध तरीके से देश पार कराने का तरीका है, जिसमें दक्षिण अमेरिकी देशों से मेक्सिको होते हुए अमेरिका की सीमा पार की जाती है।

खबर संक्षेप

दिल्ली प्रदूषण दूर करने का बीजिंग तरीका

नई दिल्ली। चीन की राजधानी बीजिंग में 2007 में वायु प्रदूषण शुरू हुआ, और 2011 तक हालात दिल्ली से भी ज्यादा खराब हो गए थे। जिसके बाद कई उपाय अपनाए गए। भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने एक्स पर लिखा कि यह अंतर पिछले दस सालों में चीन की लगातार कोशिशों का नतीजा है। हम एक छोटी सी सीरीज शेयर करेंगे जिसमें बताया जाएगा कि चीन ने एयर पॉल्यूशन से कैसे निपटा है। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। कई यूजर्स ने इसका स्वागत किया।

ईडी ने किंगफिशर को लौटाए 312 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को घोषणा की कि उसने किंगफिशर एयरलाइंस के पूर्व कर्मचारियों को लंबे समय से बकाया रकम के तौर पर 312 करोड़ लौटा दिए हैं। चेन्नई के डेट रिकवरी ट्रिब्यूनल द्वारा रेस्टिट्यूशन को मंजूरी मिलने के बाद यह रकम ऑफिशियल लिक्विडेटर को किंगफिशर एयरलाइंस के पूर्व कर्मचारियों को बांटने के लिए ट्रांसफर कर दी गई। ट्रिब्यूनल ने उन शेयरों की बिक्री से मिले फंड को जारी करने का निर्देश दिया था, जिन्हें पहले ईडी ने एसबीआई को वापस कर दिया था।

नोएडा के स्कूलों में बम की सूचना से हड़कंप

नोएडा। राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा शहर में शुक्रवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब शहर के कई प्रतिष्ठित स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरी ई-मेल प्राप्त हुईं। इस सूचना के तुरंत बाद, पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया और सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर स्कूलों और आसपास के इलाकों में गहन तलाशी अभियान चलाया। गहन जांच और तलाशी के बाद, पुलिस ने इस बात की पुष्टि की है कि स्कूलों को प्राप्त हुई धमकी भरी ई-मेल्स झूठी थीं। हालांकि पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है।

पाकिस्तानी अधिकारियों ने संसदीय समिति के सामने कबूला सच, 65 हजार से ज्यादा लोगों को विदेश जाने से रोका

हज या उमराह के नाम पर भीख मांग रहे 56 हजार पाकिस्तानियों को सऊदी अरब ने बाहर निकाला

▶▶ नई दिल्ली

हज या उमराह जैसी इस्लाम की पवित्र धार्मिक यात्राओं के नाम पर विदेशों में जाकर भीख मांगने की इच्छा रखने वाले पाकिस्तानियों के लिए सऊदी अरब से एक बुरी खबर सामने आई है। जिसमें सऊदी सरकार ने उनके देश में भीख मांग रहे 56 हजार पाकिस्तान के लोगों को न केवल इंटरनेशनल बेइज्जती करते हुए वापस भेज दिया है। बल्कि पाकिस्तान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि वो अपने देशों के लोगों को हज-उमराह वीजा का दुरुपयोग करने से रोके। जिससे वे मक्का-मदीना जैसे पवित्र शहरों में भीख मांगने के लिए न आ सकें।

भारत के निकट पड़ोसी दुश्मन देश के लिए ये मामला इसलिए भी और गंभीर हो गया है। क्योंकि सऊदी अरब के साथ-साथ खाड़ी क्षेत्र के अन्य देशों जैसे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भी ऐसे ही एक मामले की वजह से करीब 6 हजार पाकिस्तानियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। साथ ही उन्होंने पिछले नवंबर महीने में पाकिस्तानी के लोगों को दिए जाने वाले वीजा की संख्या भी घटा दी है। इसके पीछे उनका कहना है कि यूएई के वीजा पर देश में आकर यह ज्यादातर लोग आपराधिक गतिविधियों से लेकर भीख मांगने में लिप्त रहते हैं। यूरोप में भी पाकिस्तान के लोगों की कमोबेश यही स्थिति है।

एक बार विदेश गए तो कभी नहीं लौटे

एफआईए महानिदेशक के मुताबिक, सऊदी अरब के अलावा दुनिया के बाकी देशों की स्थिति पर नजर दौड़ाएं तो कुछ में पाकिस्तान के नागरिक एक बार जाने के बाद फिर कभी वापस नहीं लौटे। मिसाल के तौर पर बीते वक्त में अजरबैजान ने भी लगभग 2 हजार 500 भिखारियों को भी अपने देश से चलता किया है। 2025 में ही 24 हजार से ज्यादा पाकिस्तानी लोग कंबोडिया गए थे। जिनमें से आधे यानी 12 हजार अभी तक वापस नहीं लौटे हैं। इसके अलावा पर्यटक वीजा पर 4 हजार लोगों ने म्यांमार का रुख किया था। जिनमें आधे से अधिक 2 हजार 500 की अब तक स्वदेश वापसी नहीं हुई है। उन्होंने माना कि अवैध प्रवास और भीख मंगाने से पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि को काफी नुकसान पहुंचा है। सऊदी अरब के धार्मिक मामलों के मंत्रालय ने बीते वर्ष 2024 में पाकिस्तान को चेताया था कि अगर उसने हालात पर काबू नहीं पाया तो इसका नकारात्मक प्रभाव उसके उमराह और हज वीजा पर पड़ेगा। क्योंकि हमारे देश में मक्का, मदीना जैसे पवित्र शहरों में भिखारियों की संख्या बेतहाशा बढ़ गई है। जिसमें बड़ी तादाद में पाकिस्तान के लोग भी शामिल हैं।

एफआईए ने पाक संसद में बताई सच्चाई

इन सबके बीच पाकिस्तान की फेडरल जांच एजेंसी (एफआईए) के महानिदेशक रिफत मुख्तार रजा ने नेशनल असेंबली (संसद) की विदेश मामलों की एक संसदीय स्थायी समिति की बैठक में उक्त मामले पर सच्चाई को स्वीकार करते हुए बताया कि मौजूदा साल 2025 में 66 हजार 154 लोगों को देश के अलग-अलग हवाईअड्डों से उतारा गया है। इनमें से कुछ यूरोपीय देशों की ओर तो बाकी सऊदी अरब जाने की कोशिश कर रहे थे। जांच एजेंसियों की पूछताछ में यूरोप जाने वालों के पास पर्याप्त दस्तावेज नहीं थे। जबकि सऊदी अरब जाने के पीछे उनका तर्क उमराह यात्रा करने का था। सऊदी अरब द्वारा वापस भेजे गए 56 हजार लोग संगठित रूप से भीख मांगने का काम कर रहे थे। वहीं, पाकिस्तान की एजेंसियों ने जिन 66 हजार से अधिक लोगों को विदेश जाने से रोका है। उसके पीछे मानव तस्करी पर प्रतिबंध लगाने और भीख मांगने की गतिविधियों के लिए विदेश जाने की समस्या पर काबू पाने की कवायद शामिल है। एहतियात के तौर पर पाकिस्तान ने अपने कई नागरिकों को एग्जिट कंट्रोल लिस्ट (ईसीएल) और नो फ्लाई लिस्ट में भी डाला है। गौरतलब है कि पाक की संसद में प्रस्तुत किए गए आंकड़ों की जानकारी वहां प्रकाशित हुई हालिया मीडिया रिपोर्ट के हवाले से मिली है।

दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच हुई बैठक से मिली यह जानकारी

आतंकवाद से मुकाबले के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने पर सहमत भारत-नीदरलैंड

▶▶ नई दिल्ली

घरेलू और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के मुश्किल दौर में शुक्रवार को नई दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर की नीदरलैंड के विदेश मंत्री डेविड वेन वील के एक महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक हुई। जिसमें दोनों देशों के आपसी संबंधों से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं के अलावा साझा हितों से संबंधित क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर भी विस्तार से चर्चा की गई है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि बैठक में दोनों पक्षों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में जारी प्रमुख गतिविधियों, यूक्रेन, दक्षिण-एशिया-पश्चिम-एशिया और मध्य एशिया के हालातों के साथ-साथ कई अन्य क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। नीदरलैंड के विदेश मंत्री की यह भारत यात्रा बीते 17 से 19 दिसंबर तक हुई। जिसमें उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस.जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने नोएडा स्थित अपने देश की सेमीकंडक्टर कंपनी एनएक्सपी का दौरा भी किया। विदेश मंत्री के निमंत्रण पर नीदरलैंड के विदेश मंत्री ने भारत की यह पहली आधिकारिक यात्रा की। जयशंकर ने कहा कि हम भारत- यूरोपीय संघ के मजबूत संबंधों और मुक्त व्यापार समझौते के समापन के लिए नीदरलैंड के समर्थन की सराहना करते हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

आतंकवाद किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं: भारत

बैठक में नीदरलैंड के विदेश मंत्री ने राजधानी दिल्ली में बीते वक्त में हुए आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी ओर से संवेदनाएं प्रकट की हैं। इसके अलावा दोनों पक्षों ने आतंकवाद की उसके सभी रूपों, प्रकारों और अभिव्यक्तियों की सख्त अंदाज में निंदा करते हुए इस बात पर जोर दिया कि इस वैश्विक चुनौती से मुकाबला करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग को व्यापक और सतत रूप से मजबूत बनाने की आवश्यकता है। बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत की आतंकवाद के खिलाफ बनी हुई मौजूदा शून्य सहिष्णुता की नीति को भी मजबूती के साथ दोहराया।

व्यापार-निवेश को बढ़ावा मिलेगा

मंत्रालय ने बताया कि नीदरलैंड के विदेश मंत्री की यह भारत यात्रा जहां एक ओर दोनों देशों के बीच निरंतर आधार पर किए जाने वाले उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान को प्रदर्शित करती है। साथ ही ये भारत-नीदरलैंड के बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को भी और अधिक मजबूती प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। दोनों की परंपरागत भागीदारी खासतौर पर व्यापार और निवेश, डब्ल्यूएएच क्षेत्र तथा आमजन के बीच संबंधों जैसे कई क्षेत्रों में सराहनीय रूप से गहरी हुई है। दोनों विदेश मंत्रियों ने अपनी वार्ता में द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा करने के साथ ही हालिया वर्षों में भागीदारी में हुई उल्लेखनीय प्रगति के तहत संबंधों के सामरिक पक्ष को मजबूती प्रदान करने पर सहमति जताई है।

एआई सम्मेलन में होगी नीदरलैंड की भागीदारी

बैठक में भारतीय पक्ष ने अगले साल फरवरी महीने में नई दिल्ली में आयोजित किए जाने वाले एआई सम्मेलन में नीदरलैंड के प्रधानमंत्री डिक स्कॉफ का स्वागत करने की प्रतीक्षा करने का जिक्र किया। वहीं, डच पक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नीदरलैंड की आधिकारिक यात्रा के लिए निमंत्रण दिया है। जिससे द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। दोनों पक्षों ने साझेदारी से जुड़े हुए नए और उभरते हुए क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने पर सहमति दी होगी। जिसमें सेमीकंडक्टर, रक्षा, डिजिटल, एआई, नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, शिक्षा, मोबिलिटी मुख्य है। उन्होंने सेमीकंडक्टर और उससे संबंधित उभरती हुई प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुए एमओयू का स्वागत किया। व्यापार, आर्थिक संबंधों को साझेदारी का दोनों ने एक प्रमुख स्तंभ बताते हुए कहा कि संयुक्त व्यापार-निवेश समिति की मदद से इस क्षेत्र में संबंधों को और अधिक गहराई प्रदान की जा सकेगी। डिजिटल और साइबर स्पेस के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के इरादे से संयुक्त घोषणापत्र को लेकर भी दोनों पक्षों ने प्रसन्नता के साथ संतुष्टि जाहिर की है।

यूरोपीय संघ मदद के लिए तैयार

यूक्रेन को 106 अरब डॉलर का ब्याज मुक्त ऋण देने पर सहमति

एजेंसी ▶▶ ब्रसेल्स

यूरोपीय संघ के नेताओं ने शुक्रवार को यूक्रेन को अगले दो वर्षों में उसकी सैन्य और आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए एक बड़ा ब्याज-मुक्त ऋण देने पर सहमति जताई। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो कोस्टा ने कोस्टा ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ईयू और यूक्रेन के बीच समझौता हो गया है। 2026-27 के लिए यूक्रेन को 106 अरब डॉलर की सहायता देने का निर्णय मंजूर कर लिया गया है। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह धनराशि किस तरह जुटाई जाएगी। यूरोपीय संघ के नेता गुरुवार देर रात तक बातचीत करते रहे ताकि बेल्जियम को यह भरोसा दिलाया जा सके कि यदि वह यूक्रेन के लिए इस ऋण का समर्थन करता है।

एंटोनियो कोस्टा (बाएं), जेलेंस्की

गोवा नाइटक्लब अग्निकांड मामला

लूथरा ब्रदर्स ने जेल में फर्श पर बिना पंखे के बिताई रात, सादा खाना खाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गोवा के अरपोरा में 'बिर्च बाय रोमियो लेन' के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा ने बुधवार रात अंजुना जेल में बिना पंखे के बिताई। जेल में दोनों भाइयों ने सादा खाना चावल-दाल खाया। अपनी पहली रात बिना किसी चटाई या कंबल के फर्श पर सोकर बिताई।

उन्हें सोमवार तक पुलिस जेल में ही में रखा जाएगा। गोवा पुलिस ने इस मामले में दोनों भाइयों से पूछताछ शुरू कर दी है। लूथरा ब्रदर्स से उनके साथियों की भूमिका, फैसले लेने की प्रक्रिया, फाइनेंशियल मामलों, इवेंट की परमिशन और दूसरे पार्टनर, मैनेजर और ऑर्गनाइजर की भागीदारी के बारे में 80 से ज्यादा सवाल पूछे गए।

गौरव (बाएं) और सौरभ लूथरा

'ऑपरेशन बंधु' के तहत श्रीलंका को मदद

जाफना। बीतों दिनों आए चक्रवाती तूफान दितवाह से श्रीलंका में बहुत नुकसान पहुंचा है। भारत सरकार 'ऑपरेशन बंधु' के तहत श्रीलंका को राहत सामग्री देने से लेकर मूलभूत सुविधाएं बहाल करने में निरंतर मदद कर रही है। भारतीय सेना की इंजीनियर टास्क फोर्स ने श्रीलंका के जाफना क्षेत्र में सड़क कनेक्टिविटी को बहाल करने के लिए एक महत्वपूर्ण 120-फुट लंबे डुअल कैरिजवे बेली ब्रिज को लॉन्च करना शुरू कर दिया है।

गृह मंत्री शाह का ऐलान

देश के बंदरगाहों की सुरक्षा के लिए बनेगा ब्यूरो ऑफ पोर्ट सिक्योरिटी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को जहाजों और बंदरगाहों की सुरक्षा के लिए एक समर्पित ब्यूरो ऑफ पोर्ट सिक्योरिटी (बीओपीएस) के गठन को लेकर समीक्षा बैठक की। इस बैठक में केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री तथा केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अमित शाह ने देशभर के बंदरगाहों के लिए एक मजबूत और प्रभावी सुरक्षा ढांचा स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। सुरक्षा उपायों को व्यापार क्षमता, भौगोलिक स्थिति और अन्य संबंधित मापदंडों को ध्यान में रखते हुए जोखिम-आधारित और चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए। बीओपीएस का गठन हाल ही में अधिनियमित मर्चेंट शिपिंग अधिनियम, 2025 की धारा 13 के प्रावधानों के तहत एक वैधानिक निकाय के रूप में किया जाएगा।

बीओपीएस के गठन को लेकर समीक्षा बैठक करते केंद्रीय गृह

साइबर सुरक्षा पर विशेष जोर

बीओपीएस का गठन नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) की तर्ज पर किया जा रहा है। इसका नेतृत्व भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के एक वरिष्ठ अधिकारी (वेतन स्तर-15) द्वारा किया जाएगा। एक वर्ष की संक्रमण अवधि के दौरान, नौवहन महानिदेशक डीजीएस/डीजीएमए) बीओपीएस के महानिदेशक के रूप में कार्य करेंगे। बीओपीएस सुरक्षा से संबंधित सूचनाओं के समयबद्ध विश्लेषण, संग्रहण और आदान-प्रदान को सुनिश्चित करेगा, जिसमें साइबर सुरक्षा पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसके अंतर्गत बंदरगाहों की आईटी अवसंरचना को डिजिटल खतरों से सुरक्षित रखने के लिए एक प्रभाग भी शामिल होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रक्षा कानून एनडीएए पर किए हस्ताक्षर

इंडो-पैसिफिक के तहत भारत-यूएस रक्षा साझेदारी होगी मजबूत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वित्त वर्ष 2026 के लिए नेशनल डिफेंस ऑथराइजेशन एक्ट (एनडीएए) पर हस्ताक्षर किए। यह एक बड़ा रक्षा कानून है, जिसमें वाशिंगटन की इंडो-पैसिफिक पॉलिसी के हिस्से के तौर पर भारत के साथ अमेरिकी सैन्य सहयोग बढ़ाने और क्वाड के जरिए संबंधों को गहरा करने की बात कही गई है। यह कानून राष्ट्रीय सुरक्षा पर खर्च के लिए 890 बिलियन डॉलर की मंजूरी देता है। यह अमेरिका को भारत के साथ सहयोग बढ़ाने का निर्देश देता है, जिसमें क्वाड सुरक्षा संवाद के जरिए एक स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को बढ़ावा देना शामिल है। ट्रंप ने इस कानून पर हस्ताक्षर करते हुए कहा कि इससे उनके 'युद्ध विभाग' को ताकत के जरिए शांति की नीति पर काम करने में मदद मिलेगी।

कानून अमेरिका की रक्षा नीति और खर्च की प्राथमिकताएं तय करेगा

कानून में क्वाड के जरिए संबंधों को गहरा करने का पर दिया जोर

भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग बढ़ेगा

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

इस कानून में भारत के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सैन्य सहयोग बढ़ाने, मिलिट्री अभ्यासों में ज्यादा भागीदारी, रक्षा व्यापार बढ़ाने और मानवीय सहायता और आपदा राहत पर ज्यादा करीबी सहयोग की बात कही गई है। इसमें समुद्री सुरक्षा को भी अमेरिका-भारत सहयोग के लिए एक खास क्षेत्र के तौर पर पहचाना गया है। स्टेट डिपार्टमेंट को कानून बनने के 180 दिनों के अंदर कांग्रेस को रिपोर्ट देनी होगी और उसके बाद 5 साल तक हर साल रिपोर्ट देनी होगी। जिसमें भारत और रूस के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग और रिश्तों की स्थिति बतानी होगी।

भारत के साथ परमाणु सहयोग को शामिल किया

यह एनडीएए कानून 60 साल से ज्यादा समय से हर साल पास होता है। यह अमेरिका की रक्षा नीति और खर्च की प्राथमिकताएं तय करता है। इस बार के वित्त वर्ष 2026 कानून में भारत के साथ बढ़ता सैन्य, परमाणु और क्षेत्रीय सहयोग को औपचारिक रूप से अमेरिकी रक्षा कानून का हिस्सा बनाया गया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886